RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 182 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 28-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान : योगी आदित्यनाथ

6 नफरत बनाम संविधान : लोकतंत्र की असली कसौटी

7 लगातार नौवां बजट पेश कर इतिहास रचेंगी निर्मला सीतारमण

फर्स्ट टेक

भारत-ईयू एफटीए के 2026 में लागू होने की संभावना : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि महत्वाकांक्षी भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वर्ष 2026 में लागू हो सकता है। उन्होंने इस ऐतिहासिक व्यापार समझौते की वार्ता संपन्न होने की घोषणा के कुछ घंटों बाद यह बात कही। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष और यूरोपीय आयोग की प्रमुख की भारत की राजकीय यात्रा पर आयोजित एक विशेष संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल का जवाब देते हुए गोयल ने कहा, ''हर समझौता अपने आप में खास होता है और यह एक शानदार समझौता है। इसकी कानूनी बारीकियों की जांच बहुत तेजी से की जाएगी...। हमें उम्मीद है कि हम वर्ष 2026 के भीतर ही इस समझौते के लागू होने का जश्न मनाएंगे।''

अरिजीत सिंह ने पार्श्व गायन को कहा 'अलविदा'

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड के सबसे लोकप्रिय और सफल गायकों में से एक अरिजीत सिंह अब पार्श्वगायन न करने की मंगलवार को घोषणा की और अब तक के अपने इस सफर को शानदार बताया। अरिजीत ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, ''मैं इस सफर को यहीं समाप्त कर रहा हूं, यह एक शानदार सफर रहा।'' उन्होंने लिखा कि वह अब पार्श्वगायक के रूप में कोई नया काम नहीं करेंगे।'' उनके इस फैसले से उनके प्रशंसकों में सदमे की लहर दौड़ गयी। अरिजीत हिंदी सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और महंगे गायकों में से एक हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, नमस्ते, आप सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं। इतने वर्षों तक श्रोताओं के रूप में मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहता हूं। मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मैं अब पार्श्वगायक के रूप में विदा ले रहा हूं। मैं इसे अलविदा कह रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा।

भुवनेश्वर में देसी बम विस्फोट में चार लोग घायल

भुवनेश्वर/भाषा। पश्चिम बंगाल के सुंदरपाड़ा इलाके में मंगलवार को हुए एक देसी बम विस्फोट में चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना यहां एयरफील्ड थाना अंतर्गत आजाद नगर में उस समय हुई जब कुछ लोग किराए के मकान की छत पर अवैध रूप से देसी बम बना रहे थे। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त जगमोहन मीणा ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा, ''आपराधिक पृष्ठभूमि वाले एस मलिक समेत चार लोग बम विस्फोट में घायल हो गए। घटना के समय वे अवैध रूप से बम बना रहे थे।'' इस घटना में मलिक, उसकी मां, दोस्त अमिया रंजन मलिक और एक महिला मित्र घायल हो गई।

28-01-2026 सूर्यास्त 6:07 बजे | 29-01-2026 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
81,857.48 (+319.77)	25,175.40 (+126.75)

सोना	चांदी
16,680 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	358,910 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीति में प्रमुख

राजनीति का प्रमुख धर्म है,
केवल सत्ता को पाना।
राजनीति का प्रमुख कर्म है,
इक दूजे को लड़वाना।
राजनीति का प्रमुख मर्म है,
निज दल को ही पुजवाना।
राजनीति की प्रमुख शर्म है।
जन चुनाव हार जाना।

भारत-यूरोपीय संघ ने किया 'सबसे बड़ा समझौता'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और यूरोपीय संघ ने ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर मंगलवार को हस्ताक्षर किए जिसे 'अबतक का सबसे बड़ा समझौता' बताया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने व्यापार एवं रक्षा क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने और नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की दिशा में काम करने के लिए एक व्यापक एजेंडा पेश किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय संघ के नेताओं उर्सुला वॉन डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा की मेजबानी की। इसके बाद दोनों पक्षों ने सुरक्षा व रक्षा सहयोग और यूरोप में भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही से जुड़े दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए। नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, भारत और 27 देशों के समूह ने अगले पांच वर्षों के लिए एक संयुक्त व्यापक रणनीतिक एजेंडा पेश किया। मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए वार्ता के समापन सहित कुल 13 समझौतों को अंतिम रूप दिया।

व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में दोनों पक्षों के बीच बातचीत शुरू होने के बाद से 18 साल लग गए। समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर होने में कम से कम छह महीने लग सकते हैं क्योंकि दोनों पक्षों द्वारा इसकी कानूनी जांच-पड़ताल आवश्यक होगी।

यूरोपीय संघ और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मुद्दों के कारण 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी। जून 2022 में फिर से बातचीत शुरू की गई।

यूरोपीय संघ एक समूह के रूप में, वस्तुओं के मामले में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का कुल वस्तु व्यापार लगभग 136 अरब अमेरिकी डॉलर का था। इसमें निर्यात करीब 76 अरब अमेरिकी डॉलर और आयात 60 अरब अमेरिकी डॉलर का था।

वॉन डेर लेयेन ने कहा, ''यह (मुक्त व्यापार समझौता) भारत के कौशल, सेवाओं एवं विशाल क्षमता को यूरोप की प्रौद्योगिकी, पूंजी तथा नवाचार के साथ जोड़ता है।'' उन्होंने अमेरिकी प्रशासन की व्यापार और शुल्क नीतियों का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए कहा, ''इससे विकास के ऐसे स्तर प्राप्त होंगे जो कोई भी पक्ष अकेले हासिल नहीं कर सकता। इन शक्तियों को मिलाकर, हम रणनीतिक निर्भरता को कम करते हैं। ऐसे समय में जब व्यापार का तेजी से हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।''

दोनों पक्षों ने सुरक्षा व रक्षा सहयोग और यूरोप में भारतीय प्रतिभाओं की आवाजाही से जुड़े दो महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

साझेदारी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता को मजबूत करेगी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था 'भारी उथल-पुथल' का सामना कर रही है और ऐसे में भारत और यूरोपीय संघ के बीच साझेदारी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में स्थिरता को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, '' आज भारत ने अपने इतिहास का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है।''

मोदी ने बयान में कहा, '' इससे हमारे किसानों तथा लघु उद्योगों को यूरोपीय बाजार तक पहुंच सुगम होगी और विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में नए अवसर उत्पन्न होंगे।'' उन्होंने कहा, '' यह मुक्त व्यापार समझौता भारत और यूरोपीय संघ के बीच निवेश को बढ़ावा देगा, नए नवाचार साझेदारियों का निर्माण करेगा और वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगा। इसका मतलब यह है कि यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है। यह साझा समृद्धि के लिए एक नया खाका है।''

भारत-यूरोपीय संघ साझेदारी से दो अरब लोगों का बाजार बना रहे हैं

व्यापार समझौते की सराहना करते हुए यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष वॉन डेर लेयेन ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ की साझेदारी यह सशक्त संदेश देगी कि वैश्विक चुनौतियों का सबसे अच्छा समाधान सहयोग है। ये टिप्पणियां यूरोप और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई हैं। उन्होंने कहा, '' हमने कर दिखाया। हमने अब तक का सबसे बड़ा समझौता कर दिखाया। हम दो अरब लोगों का बाजार बना रहे हैं।'' लेयेन ने कहा, '' यह दो दिग्गजों की कहानी है...। दुनिया की दूसरी और चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की। दो दिग्गज जिन्होंने वास्तव में पारस्परिक लाभ के दृष्टिकोण से साझेदारी को चुना। एक सशक्त संदेश कि वैश्विक चुनौतियों का सबसे अच्छा समाधान सहयोग ही है।'' उन्होंने कहा कि व्यापार समझौते से यूरोपीय निर्यातकों के लिए वार्षिक शुल्क में चार अरब यूरो तक की कटौती होगी और भारत और यूरोप दोनों में लाखों श्रमिकों के लिए रोजगार सृजित होंगे।

देश को फिर से राजा-महाराजाओं के जमाने में धकेला जा रहा है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी (मनरेगा) के मुद्दे पर मंगलवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश को फिर से राजा-महाराजाओं के उस जमाने में धकेला जा रहा है, जहां सारी ताकत और संपत्ति गिनती के लोगों के पास होती थी। उन्होंने मनरेगा मजदूरों के साथ हालिया बातचीत का वीडियो 'एक्स' पर साझा किया और दावा किया कि मोदी सरकार मजदूरों को गुलाम बनाने वाली सरकार है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''मोदी जी का मनरेगा को बर्बाद करने का मकसद क्या है? मजदूरों से दिहाड़ी के मोल-भाव का हक छीन लेना, पंचायतों की शक्ति छीन कर उनके हाथ बांधना, राज्यों से अधिकार छीन कर दिल्ली में केंद्रित करना, देश को फिर से राजा-महाराजाओं के जमाने में धकेलना, जहां सारी ताकत और संपत्ति गिनती के लोगों के पास हो।''

राहुल गांधी के अनुसार, देश के करोड़ों श्रमिक एक आवाज में कह रहे हैं कि मनरेगा ने हमारी जिंदगी बदली। उन्होंने दावा किया, ''आज वही श्रमिक कह रहे हैं कि मोदी सरकार मजदूरों को गुलाम बनाने वाली सरकार है।

लक्षित हमलों की साजिश की विफल

गुजरात एटीएस ने संदिग्ध आतंकी को किया गिरफ्तार

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने उत्तर प्रदेश में कुछ लोगों की हत्या की आतंकी साजिश को विफल करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन-- जैश ए मोहम्मद की कट्टरपंथी विचाराधारा से कथित रूप से प्रेरित होकर 'अकेले' काम करता था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी फैजान शेख पैगंबर मोहम्मद के 'अपमान' का बदला लेने के लिए उत्तर प्रदेश भर में लक्षित हत्याओं की साजिश के अंतिम चरण में था। एटीएस ने उसके पास से एक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद किए, जिनका इस्तेमाल वह कथित तौर पर 'हाई प्रोफाइल' हत्याओं के लिए करना चाहता था। उन्होंने बताया कि पेश से दर्जी फैजान शेख (22) गुजरात के नवसारी में रह रहा था लेकिन वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले का है।

मंगलवार को रांची में नए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नियमों के विरोध में विभिन्न संगठनों के सदस्यों द्वारा किया गया विरोध प्रदर्शन।

यूजीसी के नए नियम भेदभावपूर्ण नहीं होंगे, दुरुपयोग नहीं होगा : सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बरेली/भाषा। सरकार ने मंगलवार को जोर देकर कहा कि जातिगत भेदभाव को रोकने के लिए बनाए गए नए यूजीसी नियमों का ''दुरुपयोग'' नहीं होने दिया जाएगा और किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा। वहीं, छात्रों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि ये नियम परिसरों में अराजकता पैदा कर सकते हैं।

कई राज्यों में इन नियमों के विरोध में छात्रों के प्रदर्शन के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आश्वासन दिया कि किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं होगा और नियमों का ''दुरुपयोग'' नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''मैं विनम्रतापूर्वक सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी को भी किसी प्रकार के उत्पीड़न का सामना नहीं करना पड़ेगा, कोई भेदभाव नहीं होगा और किसी को भी भेदभाव के नाम पर इस नियम का दुरुपयोग करने का अधिकार नहीं होगा।''

प्रधान ने कहा, ''चाहे यूजीसी हो, केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, उनकी जिम्मेदारी है। मैं आश्वासन देता हूं कि यह संविधान के दायरे में ही रहेगा।''

अवैध रेत खनन में 'सभी दलों के बड़े लोग शामिल' हैं : जी. परमेश्वर

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने रेत माफिया से धमकियां मिलने का एक महिला विधायक द्वारा दावा किये जाने के बाद, मंगलवार को कहा कि ''सभी दलों के बड़े लोग'' अवैध रेत खनन में शामिल हैं।

विधायक ने दावा किया था कि राज्य के रायचूर जिले में रेत माफिया की गतिविधियां रोकने के उनके प्रयासों के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं। गृह मंत्री ने कहा कि यह एक ''शर्मनाक स्थिति'' है।

वह विधानसभा में, देवदुर्ग से जद(एस) विधायक करेम्मा नायक द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

परमेश्वर ने रायचूर जिले में अवैध रेत खनन के बारे में कहा, ''मैंने इस बारे में विवरण साझा नहीं किया है कि इसमें कौन-कौन शामिल है, इसका सरगना कौन है। यह एक बड़ा गिरोह है। इसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। सभी पार्टियों के बड़े लोग इसमें शामिल हैं... यह थोड़ी शर्मनाक स्थिति है।'' उन्होंने कहा कि वह जल्द ही इस बात पर चर्चा करने के लिए एक बैठक बुलाएंगे कि पुलिस को इससे कैसे निपटना चाहिए।

परमेश्वर ने कहा, ''हम इस मामले में कोई नरमी नहीं बरतेंगे। मैं जिले के विधायकों की बैठक बुलाऊंगा और कोई भी निर्णय लेने से पहले उनके सुझाव लूंगा।''

सरकार गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गौमाता पर बनी पहली फिल्म-'गोदान' का 'ट्रेलर लॉन्च' किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता के संरक्षण और संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। गौमाता ना सिर्फ आध्यात्मिक रूप से पूजनीय हैं बल्कि गाय का आर्थिक और वैज्ञानिक दृष्टि से भी बहुत महत्व है। साय ने फिल्म-'गोदान' को छत्तीसगढ़ में कर मुक्त किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा, ''छत्तीसगढ़ में गौ संवर्धन के लिए बहुत कार्य हो रहा है। गौशाला में गायों के चारे के लिए दी जाने वाली अनुदान राशि को 20 रुपए से बढ़ाकर 35 रुपए किया गया है साथ ही गौशाला को अब 25 लाख रुपए की सहायता राशि दी जा रही है।''

हड़ताल

मंगलवार को मिर्ज़ापुर में बैंक ऑफ बड़ौदा की एक शाखा बंद रहने के कारण बाहर एकत्र लोग। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) द्वारा पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की तत्काल लागू करने की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल पर जाने से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सेवाएं प्रभावित रहीं।

संयुक्त राष्ट्र को अब अंतरराष्ट्रीय शांति कायम करने वाली संस्था के रूप में नहीं देखा जाता : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भू-राजनीतिक चुनौतियों के बीच भारत ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को अब अंतरराष्ट्रीय शांति सुनिश्चित करने वाली संस्था के रूप में नहीं देखा जा रहा है और शांति एवं सुरक्षा से जुड़े परिणाम हासिल करने के लिए चर्चाएं ''समानांतर बहुपक्षीय ढांचों'' की ओर बढ़ गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने सोमवार को यहां 'अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन की पुनः पुष्टि: शांति, न्याय और बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने के मार्ग' विषय पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा, ''सार्वभौमिक सदस्यता वाले बहुपक्षवाद, जिसके केंद्र में संयुक्त राष्ट्र है, पर दबाव बढ़ रहा है। इस संगठन के सामने चुनौतियां केवल बजटीय नहीं हैं। संघर्षों से निपटने में जड़ता और प्रभावहीनता इसकी एक बड़ी कमी बनी हुई है।''

हरीश ने कहा कि दुनिया भर के लोग संयुक्त राष्ट्र को ऐसी संस्था के रूप में नहीं देखते जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा प्रदान कर सके। उन्होंने कहा, ''चर्चाएं अब समानांतर बहुपक्षीय ढांचों की ओर बढ़ गई हैं, जिनमें कुछ मामलों में निजी क्षेत्र के भागीदार भी शामिल हैं, ताकि संयुक्त राष्ट्र के ढांचे से बाहर शांति और सुरक्षा से जुड़े परिणाम हासिल किए जा सकें।''

भारत का यह बयान ऐसे समय आया है, जब संयुक्त राष्ट्र और उसके सबसे शक्तिशाली अंग सुरक्षा परिषद की वैश्विक भू-राजनीतिक संघर्षों को रोकने और सुलझाने में लगातार विफलता सामने आ रही है।

इसी पृष्ठभूमि में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के लिए अपना 'शांति बोर्ड' शुरू किया है, जिसे संयुक्त राष्ट्र के विकल्प या प्रतिद्वंद्वी के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई वैश्विक नेताओं को अपने 'शांति बोर्ड' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह बोर्ड गाजा में स्थायी शांति लाने और वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के लिए एक नए साहसपूर्ण तरीके पर काम करेगा।

पिछले हफ़्ते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) के मौके पर एक कार्यक्रम में, ट्रंप ने शांति बोर्ड के घोषणापत्र को आधिकारिक तौर पर मंज़ूरी दी।

ट्रंप बोर्ड के अध्यक्ष के तौर पर काम करेंगे, और जिन देशों ने इसके घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं और इसमें शामिल हुए हैं, वे अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अज़रबैजान, बहरीन, बुल्गारिया, हंगरी, इंडोनेशिया, जॉर्डन, कज़ाकिस्तान, कोसोवो, मंगोलिया, मोरक्को, पाकिस्तान, पैराग्वे, कतर, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात और उज़्बेकिस्तान हैं।

हरीश ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन का अनुप्रयोग निरंतरता, वस्तुनिष्ठता और पूर्वानुमेयता पर आधारित होना चाहिए तथा इसमें दोहरे मानदंड नहीं होने चाहिए।

भारत वैश्विक ऊर्जा वृद्धि का केंद्र है : सुल्तान अहमद अल जबेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेतुल (दक्षिण गोवा)/भाषा। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उद्योग मंत्री सुल्तान अहमद अल जबेर ने मंगलवार को कहा कि भारत ऊर्जा मांग की सबसे तेज एवं सबसे जटिल वृद्धि के दौर के केंद्र में मौजूद है जो उभरते बाजारों, कृत्रिम मेधा और ऊर्जा प्रणालियों के व्यापक बदलाव से प्रेरित है।

भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) में यूईए के उद्योग एवं उन्नत प्रौद्योगिकी मंत्री तथा एडीएनओसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुल्तान अल जबेर

ने कहा कि विश्व के तीसरे सबसे बड़े ऊर्जा उपभोक्ता के रूप में भारत, वैश्विक मांग को आकार देने वाली एक निर्णायक शक्ति बन गया है।

अगले 15 वर्ष में भारत में हवाई यात्रा में 150 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है, शहरी आबादी एक अरब के करीब पहुंच जाएगी और डेटा सेंटर की क्षमता 10 गुना बढ़ जाएगी। अल जबेर ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजारों में मौजूदा अस्थिरता एक कहीं बड़े संरचनात्मक बदलाव को छिपाती है, एक ऐसा बदलाव जो सावधानी बरतने के बजाय निर्णायक कार्रवाई से जुड़ा है। उन्होंने कहा, '' वर्तमान उथल-पुथल के पीछे व्यापक बदलाव की एक बड़ी तस्वीर छिपी है। परिवर्तन का लाभ उन्हीं को मिलता है जो साहसपूर्वक आगे बढ़ते हैं, न कि उन लोगों को जो समुद्र के शांत होने का इंतजार करते हैं।'' ऊर्जा के क्षेत्र में आज की कहानी को, एशिया तथा भारत के नेतृत्व में उभरते बाजारों का उदय, कृत्रिम मेधा (एआई) की तेज वृद्धि एवं डिजिटल बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार, और ऊर्जा प्रणालियों का बदलाव परिभाषित करते हैं।

भारत का ऊर्जा क्षेत्र 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अवसर देता है: प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वैश्विक निवेशकों को भारत के बढ़ते ऊर्जा क्षेत्र का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि यह क्षेत्र 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अवसर प्रदान करता है। मोदी ने साथ ही इस बात पर जोर दिया कि देश जल्द ही दुनिया का सबसे बड़ा 'शोधन' केंद्र बन जाएगा।

'भारत ऊर्जा सप्ताह' (आईईडब्ल्यू) 2026 को संबोधित करते हुए उन्होंने निवेशकों से शोधन (रिफाइनिंग), एलएनजी 'वैल्यू चेन' अवसंरचना, सिटी गैस वितरण तथा तेल एवं गैस अन्वेषण जैसे क्षेत्रों में निवेश करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का लक्ष्य 2030 तक तेल एवं गैस क्षेत्र में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करना है। तेल शोधन क्षमता को 26 करोड़ टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 30 करोड़ टन प्रति वर्ष किया जाएगा।

मोदी ने कहा, '' ऊर्जा क्षेत्र हमारी आकांक्षाओं का केंद्र है। इसमें 500 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अवसर मौजूद हैं। इसलिए, मेरी अपील है कि भारत में बनाओ, भारत में नवाचार करो, भारत के साथ विस्तार करो, भारत में निवेश करो।'' उन्होंने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में भारत शीर्ष पांच निर्यातकों में से एक है।

प्रधानमंत्री ने कहा, '' ऊर्जा क्षेत्र की बात करें तो ऊर्जा मूल्य शृंखला में निवेश के अपार अवसर मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, अन्वेषण क्षेत्र को ही देखें। भारत ने इसे काफी हद तक खोल दिया है।'' उन्होंने कहा, '' आप हमारे गहरे समुद्र में अन्वेषण प्रयासों, 'समुद्र मंथन' परियोजना से भी अवगत हैं।'' मोदी ने कहा, '' हम इस दशक के अंत तक अपने तेल एवं गैस क्षेत्र में निवेश को बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अन्वेषण के दायरे को 10 लाख वर्ग किलोमीटर तक विस्तारित करना भी है। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यहां 170 से अधिक ब्लॉक आवंटित किए जा चुके हैं।'' उन्होंने कहा कि अंडमान एवं निकोबार बेसिन भी देश की अगली हाइड्रोकार्बन उम्मीद के रूप में उभर रहा है।

मोदी ने अन्वेषण क्षेत्र में किए गए कई सुधारों पर भी चर्चा की और बताया कि प्रतिबंधित क्षेत्रों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा, '' आईईडब्ल्यू के पिछले संस्करण में जो भी सुझाव दिए गए थे उनके अनुरूप हमने अपने नियमों में बदलाव किए हैं। यदि आप अन्वेषण क्षेत्र में निवेश करते हैं, तो आपकी कंपनी की लाभप्रदता में निश्चित रूप से वृद्धि होगी।'' उन्होंने कहा कि भारत की एक और विशेषता ऊर्जा क्षेत्र में निवेश को अत्यधिक लाभदायक बनाती है। इसकी शोधन क्षमता बहुत अधिक है। शोधन क्षमता के मामले में भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है।

प्रधानमंत्री ने कहा, '' जल्द ही हम पहले स्थान पर होंगे। आज भारत की शोधन क्षमता लगभग 26 करोड़ टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) है। इसे बढ़ाकर 30 करोड़ टन प्रति वर्ष से अधिक करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। यह निवेशकों के लिए एक बड़ा लाभ है।'' उन्होंने बताया कि भारत में एलएनजी की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत ने अपनी कुल ऊर्जा मांग का 15 प्रतिशत एलएनजी से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, '' इसलिए, हमें संपूर्ण एलएनजी मूल्य शृंखला पर काम करने की आवश्यकता है। भारत परिवहन पर भी बड़े पैमाने पर काम कर रहा है। हम एलएनजी परिवहन के लिए आवश्यक जहाजों का विनिर्माण यहीं भारत में कर रहे हैं।'' मोदी ने बताया कि हाल ही में भारत में जहाज निर्माण के लिए 70,000 करोड़ रुपए का एक कार्यक्रम शुरू किया गया है। उन्होंने साथ ही कहा कि भारत अब ऊर्जा सुरक्षा से आगे बढ़कर ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में काम कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक ऐसा ऊर्जा क्षेत्र परिवेश बना रहा है जो घरेलू मांग को पूरा कर सकता है और किफायती शोधन एवं परिवहन समाधानों के साथ, विश्व को निर्यात को भी अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बनाएगा।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आदिवासी समुदायों के अतिथियों, झांकियों में शामिल कलाकारों और गणतंत्र दिवस परेड 2026 के अन्य प्रतिभागियों से मुलाकात की। उनके कार्यालय ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने मुलाकातों की तस्वीरें सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा कीं। पोस्ट में कहा गया है, ''राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आदिवासी समुदायों के अतिथियों, झांकी कलाकारों और ट्रैक्टर चालकों, एनएसएस (राष्ट्रीय सेवा योजना) के स्वयंसेवकों और एनसीसी (नेशनल कैडेट कोर) कैडेटों, अधिकारियों और गणतंत्र दिवस परेड 2026 के अन्य प्रतिभागियों से मुलाकात की।''

तेजी से निर्णय लेते हुए प्रौद्योगिकी को लागू करने वाला देश ही आगे रहता है : राजनाथ

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि स्वदेशी प्रणालियां देश की परिचालन तैयारियों को मजबूत कर रही हैं।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सोच बन चुकी आत्मनिर्भरता को हासिल करने में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना भी की। सिंह डीआरडीओ के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में डीआरडीओ के वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ भी शामिल हुए, जो गणतंत्र दिवस परेड में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सिंह ने कहा कि प्रौद्योगिकी तेजी से बदल रही है। उन्होंने कहा, ''आज जो भी तकनीक नई है, वह चार-पांच साल में अप्रासंगिक हो सकती है। इसलिए, आज के समय में, विशेष रूप से युद्धक्षेत्र में, हमें केवल 'सर्वश्रेष्ठ की उत्तरजीविता' के सिद्धांत पर ध्यान देने के बजाय 'सबसे तेज और आगे रहने वालों के सफल होने' के सिद्धांत को भी ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा, ''जो देश तेजी से सोचता है, निर्णय लेता है और प्रौद्योगिकी को लागू करता है, वही आगे रहता है।'' उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान युद्धक्षेत्र में डीआरडीओ की तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग किया गया और स्वदेशीकरण के प्रयासों के आधार पर रक्षा क्षेत्र में तेजी से हो रहे बदलावों में यह संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मोदी सरकार के आर्थिक विकास के आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति और बढ़ती असमानता को चिंताजनक करार देते हुए मंगलवार को दावा किया कि सरकार के आर्थिक विकास के आंकड़ों की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ गई है। कांग्रेस के शोध विभाग के प्रमुख राजीव गौड़ा और पार्टी के संचार विभाग के शोध मामले के प्रभारी अमिताभ दुबे ने अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर एक पुस्तिका जारी की और कहा कि देश को आज सुर्ख़ियों की नहीं, ईमानदार आंकड़ों की जरूरत है।

रिपोर्ट जारी करते हुए गौड़ा ने कहा: अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति मोदी सरकार की प्राथमिकताओं को उजागर करती है। ऐसे समय में जब असमानता बद से बदतर हो रही है, कॉर्पोरेट मुनाफा बढ़ रहा है, सार्थक रोजगार सृजन नहीं हो रहा है, तो मोदी सरकार कल्याण में कटौती करने पर अड़ी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक बयान का हवाला देते हुए कहा, यह सरकार गरीबों, युवाओं, किसानों और महिलाओं – चार जातियों के लिए सामाजिक सुरक्षा कवच को खत्म कर रही है।

इसके अलावा, भारत के डेटा की विश्वसनीयता पर व्यापक रूप से सवाल उठाए जा रहे हैं। भारत को ईमानदार आंकड़ों की जरूरत है और एक समावेशी विकास मॉडल जो रोजगार पैदा करता है, न कि केवल सुर्खियां। मोदी सरकार का प्रचार हमें पूर्ववर्ती एनडीए सरकार के ' भारत उदय' वाले अहंकार की याद दिलाता है। अमिताभ दुबे ने कहा, जिस विकास से केवल कुछ लोगों को लाभ होता है, वह सफलता नहीं है। यह एक चेतावनी संकेत है। बढ़ती असमानता और सिमटता जन कल्याण बड़े पैमाने पर आर्थिक कुप्रबंधन के स्पष्ट संकेतक हैं। लेकिन मूल रूप से अच्छी नीति ईमानदार डेटा से शुरू होती है। उन्होंने कहा, हम सरकार से देश के सामने वास्तविक आंकड़े रखने के लिए कहते हैं, न कि लोगों को गुमराह करने वाले हेरफेर किए गए आंकड़े।

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया जारी, जांच समिति की रिपोर्ट का इंतजार : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने मंगलवार को कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया जारी है और सरकार उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति की रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

बिरला ने न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने के लिए बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद पिछले साल 12 अगस्त को उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए समिति का गठन किया था। न्यायमूर्ति को 14 मार्च को दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में तब वापस भेज दिया गया था, जब उनके आधिकारिक आवास पर नोटों के जले हुए बंडल मिले थे। यह पूछे जाने पर कि क्या बुधवार से शुरू होने वाले संसद के आगामी बजट सत्र से पहले इस मामले पर चर्चा की जाएगी, रीजीजू ने टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा, ''प्रक्रिया के अनुसार, सदन की सहमति से अध्यक्ष द्वारा गठित समिति को मामला भेज दिया गया है और प्रक्रिया जारी है।'' जांच समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति और बर्खास्तगी की प्रक्रिया से परिचित अधिकारियों ने बताया कि संसद के किसी भी सदन में सांसदों के सामने अपना पक्ष रखते हुए न्यायमूर्ति वर्मा यह घोषणा कर सकते हैं कि वह पद छोड़ रहे हैं और उनके मौखिक बयान को उनका इस्तीफा माना जाएगा। यदि न्यायमूर्ति वर्मा इस्तीफा देने का निर्णय लेते हैं, तो वह उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश को मिलने वाली पेंशन और अन्य लाभों के हकदार होंगे।

छिंदवाड़ा में सिवनी-बैतूल स्पेशल यात्री ट्रेन के तीन डिब्बे हुए अलग, कोई हताहत नहीं

छिंदवाड़ा (मध्यप्रदेश)/भाषा। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर डिविजन में छिंदवाड़ा के पास मंगलवार को एक स्पेशल यात्री ट्रेन के तीन डिब्बे अलग हो गए। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब सिवनीबैतूल यात्री ट्रेन छिंदवाड़ा रेलवे स्टेशन से कुछ ही दूरी पर स्थित चार फाटक के पास पहुंची। छिंदवाड़ा के स्टेशन मास्टर हेमराज मीणा ने बताया कि ट्रेन अपने निर्धारित समय सुबह करीब आठ बजे छिंदवाड़ा स्टेशन से बैतूल के लिए रवाना हुई थी। उन्होंने कहा कि चार फाटक के पास पहुंचते ही जब ट्रेन रफ्तार पकड़ रही थी, तभी अचानक तेज धमाके की आवाज के साथ यात्रियों से भरे तीन डिब्बे इंजन से अलग हो गए। एक यात्री ने बताया कि अचानक हुए इस घटनाक्रम से ट्रेन में सवार यात्रियों में दहशत फैल गई। उन्होंने कहा कि कई यात्रियों ने झटके महसूस होने की बात कही, वहीं तेज आवाज के कारण कुछ देर के लिए ट्रेन में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

विपक्ष ने वीबी-जी राम जी और एसआईआर पर चर्चा की मांग की, सरकार ने कहा : 'रिवर्स गियर' में नहीं जा सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार से शुरू हो रहे संसद के बजट सत्र के दौरान 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' तथा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की विपक्ष की मांग को मंगलवार को अस्वीकार कर दिया और कहा कि दोनों विषय पर पहले चर्चा हो चुकी है तथा अब ''हम रिवर्स गियर में नहीं जा सकते।''

बजट सत्र से एक दिन पहले सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने इन दोनों विषयों पर चर्चा की मांग उठाई। बैठक के दौरान, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और माकपा सांसद जॉन ब्रिटास सहित कई विपक्षी सदस्यों ने सत्र के लिए सरकारी कामकाज का एजेंडा सामने नहीं रखे जाने पर आपत्ति जताई, जिस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि यह उचित समय पर किया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि विपक्षी सदस्य मतदाता सूचियों के एसआईआर, मनरेगा योजना की जगह लाए गए विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम, भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ, विदेश नीति के मामले, वायु प्रदूषण, अर्थव्यवस्था की स्थिति, किशोरों के लिए सोशल मीडिया पर पाबंदी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा चाहते हैं। बीते शीतकालीन सत्र के दौरान संसद द्वारा पारित विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम पर चर्चा के लिए विपक्ष की मांग पर मंत्री ने कहा, ''एक बार जब कोई कानून देश के सामने आ जाता है, तो हमें उसका पालन करना होता है। हम रिवर्स गियर में वापस नहीं जा सकते।'' उन्होंने कहा कि विपक्षी सांसदों ने कई मुद्दे रखे हैं और इन्हें राष्ट्रपति के अभिभाषण और बजट पर चर्चा के दौरान उठाया जा सकता है। कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा सत्र के लिए विधायी एजेंडा साझा नहीं किए जाने की शिकायत के बाद रीजीजू ने कहा, ''यह साल का पहला सत्र है। आम तौर पर, सरकारी कामकाज की सूची राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद साझा की जाती है। हालांकि, मैं सूची साझा करने के लिए तैयार हूं, मैंने अधिकारियों को ऐसा करने के लिए भी कहा है। उन्होंने कहा कि यह कोई महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है और सदन को सुचारू रूप से चलाने पर ध्यान केंद्रित है। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, ''संसद के दोनों सदनों में पिछले सत्र में चुनाव सुधारों पर व्यापक चर्चा हुई थी, जहां विपक्ष ने भी यह मुद्दा उठाया था। अगर एक और बहस की मांग की जाती है तो यह अनुचित है।''

जो सरकार सनातन धर्म के अनुयायियों को निराश करती है, वह कभी सत्ता में वापस नहीं आएगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि जो सरकार सनातन धर्म के मूल्यों को कायम रखने में विफल रहती है, वह कभी सत्ता में वापस नहीं आएगी।

गांधीनगर में स्वामीनारायण संप्रदाय की एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि विभिन्न सनातन परंपराओं के अनुयायी स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक इस उम्मीद में इंतजार करते रहे कि उन्हें ऐसी सरकार मिलेगी, जो सनातन धर्म को उचित महत्व देगी और इसके सिद्धांतों के अनुसार शासन करेगी। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि संतों के आशीर्वाद से, सनातन धर्म के अनुयायियों को निराश करने वाली कोई भी सरकार इस देश में फिर कभी सत्ता में नहीं आएगी।'' आयोजन भगवान स्वामी नारायण द्वारा 1826 में लिखित 212 संस्कृत श्लोकों वाली पवित्र आचार संहिता 'शिक्षापत्री' के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। यह स्वामी नारायण संप्रदाय के अनुयायियों के लिए एक मूलभूत मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है, जिसमें अहिंसा, पवित्रता, आहार और दैनिक कर्तव्यों सहित नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक सिद्धांतों की रूपरेखा दी गई है।

वाईएसआरसीपी का आरोप : 'मुफ्त रेत' नीति से सत्तारूढ़ पार्टी के नेता अवैध खनन कर रहे

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के वरिष्ठ नेता के. गोवर्धन रेड्डी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश की 'मुफ्त रेत नीति' की वजह से सत्तारूढ़ दल के नेता बड़े पैमाने पर अवैध खनन कर रहे हैं जिससे राज्य के प्राकृतिक संसाधनों की लूट हो रही है।

रेड्डी ने दावा किया इसे 'मुफ्त रेत' पहल के रूप में पेश किया गया था, लेकिन सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से पांच गुना से अधिक कीमत पर रेत बेची जा रही है। रेड्डी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया, गठबंधन सरकार की बहुचर्चित 'मुफ्त रेत' नीति पूरी तरह से धोखा है। यह सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध खनन और प्राकृतिक संसाधनों की संगठित लूट का बहाना बन गई है।

उनके अनुसार, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक कथित तौर पर प्रत्येक रेतीले क्षेत्र से प्रति माह तीन करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये गतिविधियां स्थापित नियमों, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों और पर्यावरण सुरक्षा उपायों का उल्लंघन करते हुए की जा रही हैं।

रेड्डी ने दावा किया कि वाईएसआरसीपी की पूर्व सरकार ने विनियमित रेत निविदाओं से सरकारी खजाने के लिए सालाना लगभग 700 करोड़ रुपए का राजस्व हासिल किया था, जो 2019 से 2024 के बीच लगभग 3,500 करोड़ रुपए तक पहुंच गया था।

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में स्कूल बस पलटी, छह छात्रों समेत 10 लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। कांगड़ा जिले के जयसिंहपुर उपमंडल में मंगलवार को एक निजी स्कूल बस पलट गई जिससे छह छात्रों समेत कम से कम 10 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, शिवनगर के पास लाहट-शिवनगर लिंक रोड पर हुए इस हादसे में छह बच्चे, दो शिक्षक, बस चालक और परिचालक घायल हो गए। पुलिस की एक टीम ने घायलों को बस से निकाला और उन्हें पालमपुर सिविल अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि जांच की जा रही है।

अदाणी समूह, एम्ब्रेयर भारत में क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र करेंगे स्थापित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी समूह और ब्राजील की प्रमुख वैमानिकी कंपनी एम्ब्रेयर ने एक रणनीतिक सहयोग की मंगलवार को घोषणा की। इसका मकसद भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित करना है जो देश की स्वदेशी विनिर्माण क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है। यह साझेदारी छोटे व मझोले शहरों के लिए हवाई संपर्क को बेहतर बनाने में मदद करेगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस और एम्ब्रेयर के अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित एक समारोह में भारत में क्षेत्रीय परिवहन विमानों पर रणनीतिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों कंपनियां देश में क्षेत्रीय परिवहन विमानों के लिए एक 'फाइनल असेंबली लाइन' (एफएएल) भी स्थापित करेंगी। अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के निदेशक जीत अदाणी ने कहा कि एम्ब्रेयर के साथ सहयोग से भारत में एक क्षेत्रीय विमान विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया जाएगा। एम्ब्रेयर 150 सीट तक के वाणिज्यिक विमान बनाती है। निवेश और प्रस्तावित सुविधा के स्थान से जुड़े विवरण साझा नहीं किए गए। नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा ने कहा कि यह सहयोग केवल क्षेत्रीय विमानों के संयोजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें प्रगतिशील प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, कौशल विकास, सुदृढ़ आपूर्ति शृंखला और भारत को क्षेत्रीय विमानों का एक विश्वसनीय विनिर्माण केंद्र बनाना भी शामिल है।

निवेश के अभाव में वैश्विक तेल उत्पादन में आठ प्रतिशत की गिरावट का जोखिम : पुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बैतूल (गोवा)/भाषा। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को भारत ऊर्जा सप्ताह 2026 के उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि अगर मौजूदा तेल और गैस उत्पादन में निवेश बंद हो जाता है तो अगले दशक में वैश्विक तेल उत्पादन में सालाना लगभग आठ प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। यह ब्राजील और नॉर्वे के संयुक्त वार्षिक उत्पादन के बराबर है।

पुरी ने कहा कि भले ही नवीकरणीय ऊर्जा ने तेजी से विस्तार किया है और अब वैश्विक बिजली उत्पादन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा है, लेकिन वैश्विक ऊर्जा बदलाव केवल प्रतिस्थापन पर आधारित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, ऊर्जा का इतिहास कभी भी केवल प्रतिस्थापन के बारे में नहीं रहा। यह हमेशा वृद्धि और नए स्रोत जोड़ने के बारे में रहा है।

मंत्री ने यह भी कहा कि ऊर्जा बदलाव, ऊर्जा सुरक्षा और प्रणाली की मजबूती को एक साथ आगे बढ़ाना होगा ताकि बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा किया जा सके।

पुरी ने कहा कि पिछले एक दशक में नवीकरणीय ऊर्जा तेजी से बढ़ी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक बिजली उत्पादन में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी कम होती लागत और नीतिगत उपायों के कारण लगभग पांचवें से बढ़कर लगभग एक तिहाई हो गई है।

पुरी ने कहा, फिर भी पारंपरिक ऊर्जा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि अगर मौजूदा तेल और गैस उत्पादन में निवेश आज बंद हो जाए, तो अगले दशक में वैश्विक तेल उत्पादन में सालाना लगभग आठ प्रतिशत की गिरावट आएगी, जो हर साल ब्राजील और नॉर्वे के संयुक्त वार्षिक उत्पादन से अधिक के नुकसान के बराबर है।

पुरी ने कहा कि नए ऊर्जा स्रोत हमेशा से मौजूदा स्रोतों को पूरा करते रहे हैं, जिससे ऊर्जा प्रणाली को विस्तार और अनुकूलन करने का मौका मिलता है। यह वैश्विक ऊर्जा बदलाव की परिभाषित वास्तविकता बनी हुई है।

पुरी ने कहा कि पिछले एक साल में वैश्विक ऊर्जा प्रणाली पर दबाव तेज हो गया है और ऊर्जा व्यवस्था जटिल तरीकों से विकसित हो रही है।

तमिलनाडु में महिलाओं के लिए माहौल को बेहतर बनाने का काम जारी रहेगा : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंगलवार को कहा कि राज्य बुनियादी ढांचे का निर्माण जारी रखेगा ताकि हर महिला पढ़ सके, आत्मनिर्भर जीवन जी सके, उद्यमी बन सके और बिना किसी डर के जीवन व्यतीत कर सके। उन्होंने यहां आयोजित दो दिवसीय वैश्विक महिला शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार के तमिलनाडु को एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए।

स्टालिन ने महिलाओं के कल्याण के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालते हुए कलाइग्नर मगलीर उरिमाई थिट्टम' योजना को राज्य की 'सर्वोच्च उपलब्धि' करार दिया, जिसके तहत परिवार की 1.3 करोड़ महिला मुखियाओं को प्रति माह 1,000 रुपये दिए जाते हैं। उन्होंने कहा, यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। आज भारत के अन्य राज्य भी इसी मॉडल का अनुसरण कर रहे हैं। इस योजना ने महिलाओं के आत्मसम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया है। स्टालिन ने तमिलनाडु में देश में सबसे अधिक महिला कार्यबल होने का दावा करते हुए कहा कि जब भी कोई नई कंपनी राज्य में निवेश करने में रुचि दिखाती है तो उनका पहला सवाल यही होता है कि महिलाओं के लिए कितनी नौकरियां सृजित की जाएंगी। उन्होंने कहा, कई निजी कंपनियों ने महिलाओं के लिए एक निश्चित प्रतिशत नौकरियां आरक्षित करना शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमें केवल इस बात से संतुष्ट नहीं होना चाहिए कि कार्यबल में अधिक महिलाएं शामिल हो रही हैं।' उन्होंने कहा, 'महिलाओं को पुरुषों के बराबर प्रगति करनी चाहिए और उभरते क्षेत्रों में अपना स्थान बनाना चाहिए।' स्टालिन ने कहा कि महिलाओं की उन्नति के बिना कोई राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि इस विचार पर तर्कवादी नेता ई.वी. रामासामी ने जोर दिया था। रामासामी को पेरियार के नाम से जाना जाता है।

चेन्नई हवाई अड्डे पर मामूली आग लगी, कोई नुकसान नहीं हुआ : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई हवाई अड्डे पर मंगलवार को मामूली आग लग गई, लेकिन कोई नुकसान नहीं हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने शुरुआती सूचना के हवाले से बताया कि एक चिंगारी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान क्षेत्र में स्थित स्टाफ' कैंटीन में आग लगी तथा धुआं फैल गया।

उन्होंने बताया कि इस समस्या का तुरंत समाधान कर लिया गया। उन्होंने बताया कि हवाई यातायात पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''हम आपको सूचित करते हैं कि एयरलाइन्स कार्यालय क्षेत्र के पास स्थित टी2 प्रस्थान क्षेत्र में मामूली आग लग गई थी। उस जगह कुछ दस्तावेज रखे थे। आग पर अब काबू पा लिया गया है।

इस घटना से उड़ान संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। टी2 से अगली निर्धारित उड़ान दोपहर दो बजकर 35 मिनट पर रवाना होगी।''

मद्रास उच्च न्यायालय ने 'जन नायकन' को सेंसर प्रमाणपत्र देने के एकल न्यायाधीश के आदेश को रद्द किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनेता विजय की तमिल फिल्म ''जन नायकन'' को मंगलवार को बड़ा झटका देते हुए मद्रास उच्च न्यायालय ने एकल न्यायाधीश के उस आदेश को रद्द कर दिया है जिसमें सीबीएफसी को फिल्म को सेंसर प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय ने कहा कि सेना और धार्मिक भावनाओं से संबंधित कुछ संदर्भों पर विचार करने की आवश्यकता है। मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की प्रथम पीठ ने कहा कि एकल न्यायाधीश, न्यायमूर्ति पी टी आशा को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय देना चाहिए था।

इस फैसले से फिल्म का भविष्य लगभग अनिश्चित हो गया है, जिसे पहले इसी महीने पोंगल के मौके पर रिलीज किया जाना था। बताया जा रहा है कि यह विजय की आखिरी फिल्म होगी, जिसके बाद वह पूरा समय राजनीति को देंगे। वह नवगठित राजनीतिक दल तमिगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख हैं। पीठ ने सीबीएफसी द्वारा दायर अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें न्यायमूर्ति आशा के नौ जनवरी के आदेश को चुनौती दी गई थी। इस आदेश ने सेंसर बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी के पांच जनवरी के उस पत्र को भी रद्द कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि इसके एक सदस्य की शिकायत के आधार पर बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मामले को पुनरीक्षण समिति को भेज दिया गया है।

पीठ ने बड़े बजट वाली इस फिल्म के निर्माता एम/एस केवीएन प्रोडक्शन्स एलएलपी को अपनी याचिका पर तत्काल सुनवाई के लिए एकल न्यायाधीश का रुख करने की छूट दी। पीठ ने कहा कि फिल्म में सेना और धार्मिक भावनाओं से संबंधित कुछ ऐसी सामग्री है, जो देश में धार्मिक सद्भाव को बिगाड़ सकती है और इसलिए अध्यक्ष ने मामले को पुनरीक्षण समिति के पास भेजा था। पीठ ने कहा कि इस पर विचार करने की आवश्यकता है। अदालत ने यह भी कहा कि एकल न्यायाधीश इस बात का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं कि मामले को पुनरीक्षण समिति को भेजने का निर्णय सही है या नहीं। पीठ ने दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद 20 जनवरी को न्यायमूर्ति आशा द्वारा पारित एक आदेश के खिलाफ केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड द्वारा दायर अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

न्यायमूर्ति आशा ने नौ जनवरी को फिल्म जन नायकन' के निर्माता एम/एस केवीएन प्रोडक्शन्स एलएलपी द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए सीबीएफसी को तत्काल सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश दिया था। न्यायाधीश ने क्षेत्रीय अधिकारी की पांच जनवरी की उस सूचना को भी रद्द कर दिया, जिसमें फिल्म के निर्माता को बताया गया था कि एक शिकायत के आधार पर सेंसर बोर्ड की अध्यक्ष ने मामले को पुनरीक्षण समिति के पास भेज दिया है। हालांकि, उसी दिन उच्च न्यायालय की प्रथम पीठ ने न्यायमूर्ति आशा के आदेश पर रोक लगा दी थी। इससे पहले 22 दिसंबर 2025 को निर्माता को चेन्नई स्थित क्षेत्रीय अधिकारी से एक सूचना प्राप्त हुई थी, जिसमें बताया गया था कि फिल्म देखने वाली पांच सदस्यीय समीक्षा समिति ने फिल्म के प्रदर्शन की सिफ़ारिश की है और सेंसर प्रमाणपत्र जारी करने की अनुशंसा की है। इसके बाद, समीक्षा समिति के एक सदस्य की शिकायत के आधार पर अध्यक्ष ने 22 दिसंबर की उक्त सूचना को रोकने का फैसला किया और मामले को पुनरीक्षण समिति को भेज दिया। इस निर्णय की जानकारी फिल्म के निर्माता को पांच जनवरी को दी गई थी।

पलानीस्वामी ने जल्लीकट्टू के दौरान जान गंवाने वालों को 10 लाख रुपये की राहत राशि देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नामक्कल। अन्नाद्रमुक के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने मंगलवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर जल्लीकट्टू में सांडों को वश में करने के दौरान जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपये की राहत राशि दी जाएगी।

इसके अलावा, तमिलनाडु के इस लोकप्रिय पारंपरिक खेल के लिए पंजीकृत लोगों और सांडों को राज्य सरकार की ओर से बीमा कवर भी प्रदान किया जाएगा। उन्होंने जिले के सालापालयम में जल्लीकट्टू कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। पलानीस्वामी ने इससे पहले प्रतियोगिता में भाग ले रहे लोगों को यह शपथ भी दिलाई कि वे सांडों को पकड़ने या उन्हें वश में करने की कोशिश के दौरान उन्हें किसी प्रकार की चोट नहीं पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्लीकट्टू तमिलनाडु की संस्कृति का प्रतीक है। कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाने से पहले पलानीस्वामी ने कहा, इस वर्ष जब अन्ना द्रमुक की सरकार बनेगी, तब जल्लीकट्टू के दौरान जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10 लाख रुपये की राहत राशि दी जाएगी। इसके अलावा पारंपरिक खेल में पंजीकृत लोगों और सांडों के लिए बीमा की व्यवस्था भी की जाएगी।''

उल्लेखनीय है कि पोंगल पर्व के दौरान मदुरै के अलंगनल्लूर में आयोजित जल्लीकट्टू प्रतियोगिता के दौरान मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने अधिकतम सांडों को वश में करने वाले व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी।

तमिलनाडु में भागने की कोशिश कर रहा एक आदतन अपराधी पुलिस की कार्रवाई में मारा गया

पेराम्बलुर। तमिलनाडु के पेराम्बलुर जिले के थिरुमनथुराई के पास एक आदतन अपराधी ने कथित तौर पर एक पुलिस उपनिरीक्षक पर हमला कर दिया और हिरासत से भागने की कोशिश की जिसके बाद उसे गोली मार दी गयी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान कोट्टू राजा उर्फ ङ्कङ्कअझगुराजा के रूप में हुई है, जो हाल ही में एक अन्य कुख्यात अपराधी वेल्लाई काली पर हुए हमले का मुख्य संदिग्ध था।

पुलिस के अनुसार, 24 जनवरी को अदालत में पेशी के बाद वेल्लाई काली को चेन्नई की पुझल केंद्रीय जेल वापस ले जा रहे वाहन पर अझगुराजा सहित 10 से अधिक लोगों के एक गिरोह ने देसी बम फेंके थे। इस घटना के बाद, पेराम्बलुर जिला पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने के लिए पांच विशेष टीम गठित की थीं।

अझगुराजा को सोमवार शाम को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान उसने हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों और विस्फोटकों को जंगल में छिपाने की बात कथित तौर पर कबूल की। इसके बाद मंगलवार सुबह पुलिस की एक टीम उसे उस स्थान पर ले गई ताकि छिपा हुआ माल बरामद किया जा सके। वहां पहुंचते ही अझगुराजा ने कथित तौर पर पुलिस वाहन पर एक देसी बम फेंका और भागने की कोशिश में एक छिपाए हुए धारदार हथियार से उपनिरीक्षक पर हमला किया। मंगलामेडु पुलिस इंस्पेक्टर ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे आरोपी के सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमले में घायल हुए उपनिरीक्षक को इलाज के लिए पेराम्बलुर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच जारी है।

चेन्नई डिवीजन ने गणतंत्र दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे के चेन्नई डिवीजन ने 26 जनवरी को अयानवरम स्थित आरपीएफ परेड ग्राउंड में 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया।

चेन्नई डिवीजन के संभागीय रेलवे प्रबंधक शैलेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और आरपीएफ परेड की सलामी ली, जिसमें आरपीएफ टुकड़ियां, महिला प्लाटून और सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड शामिल थीं। इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक शैलेंद्र सिंह ने 1947 से भारत की ऐतिहासिक यात्रा और संविधान में निहित मूल्यों को याद किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रेलगाड़ी, जो एकता, प्रगति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, देश भर में लाखों लोगों को जोड़ती है और राष्ट्र के विकास और लचीलेपन को दर्शाती है। भाप से चलने वाले इंजनों के युग से लेकर आज की आधुनिक ट्रेनों तक, भारतीय रेलगाड़ी का जाल राष्ट्र की प्रगति, शक्ति और अटूट भावना का प्रतिबिंब है। सिंह ने अयानवरम स्थित रेलवे बाला भवन स्कूल और पेरम्बूर स्थित रेलवे हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों को विकसित भारत 2025 के संबंध में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए।

समुद्र में डूबने से तीन लड़कों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के दक्षिणी तटीय जिले तूतीकोरिन में समुद्र में नहाने गए तीन लड़कों की तेज लहरों की चपेट में आने से डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राज्य के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवारों को तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

पुलिस के अनुसार, 12 और 13 वर्षीय ये लड़के सोमवार शाम तूतीकोरिन जिले के माप्पिलायूरानी गांव के सिलुवैपाट्टी मोट्टई गोपुरम तट पर समुद्र में नहाने गए थे तभी नहाते समय वे तेज लहरों की चपेट में आ गए। उसने बताया कि बाद में दोनों लड़कों के शवों को थरुवैकुलम तटीय सुरक्षा समूह ने बरामद किया।

मुख्यमंत्री ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा, कल शाम करीब 4.15 बजे माप्पिलायूरानी गांव के तीन बच्चों के समुद्र में नहाने के दौरान अचानक डूबने की दुखद खबर सुनकर मुझे गहरा दुख पहुंचा है और मैं अत्यंत व्यथित हूं।

स्टालिन ने शोक संतप्त माता-पिता के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक बच्चों के माता-पिता को तीन-तीन लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है।

इंडियन बैंक में गणतंत्र दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन बैंक ने चेन्नई स्थित मुख्यालय में राष्ट्र के 77वें गणतंत्र दिवस को बड़े उत्साह के साथ मनाया। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिनोद कुमार ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया इस अवसर पर बैंक के गार्डों द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। अपने संबोधन में विनोद कुमार ने स्वतंत्र भारत के निर्माण में शहीदों के बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की और बैंक के संस्थापकों के अग्रणी प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर बैंक ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत भारत सरकार के समाज कल्याण विभाग की शक्ति सदन योजना के अंतर्गत संकटग्रस्त महिलाओं और बच्चों के लिए बने अल्पकालिक आश्रय गृह को आवश्यक घरेलू सामग्री प्रदान की। कुमार ने स्वयं आश्रय की अध्यक्ष को ये वस्तुएं सौंपीं। कार्यक्रम में बैंक के कार्यकारी निदेशक आशुतोष चौधरी और ब्रजेश कुमार सिंह, मुख्य सतर्कता अधिकारी आनंद वी. एवं वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी अपने परिवारों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी में मनाया गणतंत्र दिवस

चेन्नई। सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय भावना के शानदार प्रदर्शन के बीच, चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने गणतंत्रदिवस के मौके पर टोंडियारपेट में बाबू जगजीवन राम स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारत का 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरपर्सन एस. विश्वनाथन, आईएएस द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण करने के बाद, चेयरपर्सन ने सभा को संबोधित किया, और पोर्ट की निरंतर विरासत का भावुकता से उल्लेख किया। समुद्री प्रगति के क्षेत्र में चेन्नई पोर्ट की हालिया प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, चेयरपर्सन ने पोर्ट की हालिया उपलब्धियों का उल्लेख किया। संगठन ने कंटेनर ट्रैफिक वृद्धि के कारण 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी ने 2025 में कई सर्वकालिक एकल-दिवसीय कार्गो हैंडलिंग रिकॉर्ड भी बनाए, जिसमें इसके टर्नअराउंड टाइम में बड़ा सुधार हुआ, जिससे परिचालन दक्षता में वृद्धि हुई। पोर्ट के परिचालन बुनियादी ढांचे में एकीकृत एंटरप्राइज़ बिजनेस सॉल्यूशंस ने भी पोर्ट गतिविधियों को सरल बनाने और डिजिटाइज़ करने में योगदान दिया है। अपने ऑटोमोबाइल निर्यात मील के पत्थर का विस्तार करते हुए, पोर्ट ने सफलतापूर्वक एक साथ संचालन किया और ऑटोमोबाइल-आधारित लॉजिस्टिक्स क्षमताओं में एक बड़ी छलांग लगाई। चेयरपर्सन ने पोर्ट की हरित पहलों का उल्लेख किया, जो सामाजिक आवश्यकताओं के लिए संगठन के समग्र योगदान पर केंद्रित है। पोर्ट तेजी से डीजल से चलने वाली मशीनों के बजाय इलेक्ट्रिक मशीनों के उपयोग की ओर बढ़ रहा है, जिसमें ग्रीन टग्स का उपयोग एक ऐसे भविष्य का वादा करता है जहां तटरेखा जलवायु परिवर्तन के खिलाफ मजबूत होगी।

गणतंत्र दिवस — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में इण्डियन ओवरसीज़ बैंक (आइओबी) ने अपने केंद्रीय कार्यालय में गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर एक भव्य परेड निकाली गई। प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने राष्ट्रगान की धुन के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस समारोह में कार्यपालक निदेशक धनराज टी, मुख्य सतर्कता अधिकारी राजीव कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। आईओबी के कर्मचारियों ने भी इस राष्ट्रीय पर्व में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

केवीबी के कुल व्यवसाय में 16.29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई

चेन्नई। करूर वैश्य बैंक (केवीबी) ने 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही नौ महीनों के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार बैंक के कुल व्यवसाय में वर्ष दर-वर्ष 16.29% की वृद्धि हुई, जबकि तिमाही में 4.15% की वृद्धि देखी गई। जमाराशि में वर्ष-दर-वर्ष 15 वर्ष-दर-वर्ष 11% की वृद्धि हुई है बैंक के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रमेश बाबू बी ने कहा कि बैंक के हाल के प्रदर्शन संकेतक पहले जारी किए गए दिशानिर्देशों के अनुरूप रहे हैं। हमारा व्यवसाय रु. 2,11,647 करोड़ से अधिक रहा। सभी व्यावसायिक क्षेत्रों से हुई समग्र वृद्धि के कारण 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध लाभ रु. 690 करोड़ रहा जो अब तक का उच्चतम त्रैमासिक शुद्ध लाभ है। उन्होंने बताया कि इस तिमाही स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ बैंक के 2021- 2022 के वार्षिक लाभ से अधिक है।

आदर्श योजना विभाग
संस्कृत संवर्धन की योजना
अन्तर्गत
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली
संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित
56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

विज्ञापन संख्या: 01/2026 दिनांक : 28.01.2026

भर्ती की अधिसूचना 01/2026

संस्कृत संवर्धन के लिए भारत सरकार की केंद्रीय योजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली (CSU) कार्यरत है। केंद्रीय योजनाओं में से एक, अर्थात आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों (ASMs) / आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों (ASSSs) के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता की योजना (**संशोधित आदर्श योजना-2022**) के अंतर्गत, देश के विभिन्न राज्यों में विभिन्न संस्थानों को वित्तीय सहायता के लिए ASM/ASSS के रूप में मान्यता दी गई है। इस संदर्भ में, इस योजना में निहित प्रावधानों के अंतर्गत, देश के विभिन्न भागों में स्थित मान्यता प्राप्त ASMs/ASSSs में निम्नलिखित गैर शैक्षणिक/ अन्य शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती के लिए भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: -

पदों का नाम एवं स्तर (7वें वेतन आयोग के अनुसार)	पदों की संख्या	आरक्षण, पात्रता, योग्यता एवं अन्य आवश्यक शर्तें
कॉलेज लाइब्रेरीयन (शैक्षणिक स्तर 10)	04	पात्रता मानदंड, योग्यता, आयु सीमा, क्षेत्रवार भर्ती प्रक्रिया, रिक्तियों का संस्थावार विभाजन, आरक्षण तथा अन्य आवश्यक शर्तों एवं आवेदन प्रक्रिया इत्यादि का विवरण विस्तृत अधिसूचना में उपलब्ध है। यह अधिसूचना सीएसयू (CSU) की वेबसाइट www.sanskrit.nic.in पर Recruitment/ Notification (भर्ती / अधिसूचना) शीर्षक के अंतर्गत उपलब्ध है। साथ ही संबंधित संस्था की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।
अनुभाग अधिकारी (स्तर 7)	01	
सहायक (स्तर 6)	15	
प्रोफेशनल असिस्टेंट (स्तर 6)	01	
यूडीसी (स्तर 4)	02	
एलडीसी (स्तर 2)	20	
आवेदन की प्रारंभिक तिथि 28.01.2026 है तथा विज्ञापन की अंतिम तिथि 27.02.2026 को रात 11.30 बजे (IST) तक है।		

यह विज्ञापन उन 19 अनुदान प्राप्त आदर्श संस्थानों की ओर से केवल एक संक्षिप्त अधिसूचना है, जो संबंधित चयनित उम्मीदवारों के लिए नियुक्ति प्राधिकारी हैं। अतः इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सभी आवश्यक जानकारी के लिए विस्तृत विज्ञापन देखें।

हस्ता./-
कुलसचिव (प्र.)

CBC 21212/12/0004/2526

बूंदी में प्रगति प्रसार अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने मंगलवार को बूंदी जिले में पंचायत समिति के एक प्रगति प्रसार अधिकारी को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति हिंडोली के प्रगति प्रसार अधिकारी देवराज मीणा को गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दी थी कि आरोपी मीणा व विकास अधिकारी पीयूष कुमार जैन द्वारा ग्राम पंचायत के निरीक्षण की एवज में 35,000 हजार रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा है। ब्यूरो की टीम ने आज कार्रवाई करते हुए आरोपी देवराज मीणा को विकास अधिकारी पीयूष कुमार जैन के नाम पर 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बयान के अनुसार, आरोपी विकास अधिकारी जैन को इस कार्रवाई की भनक लग गई और वह अपने कार्यालय से कथित तौर पर फरार हो गये। अधिकारियों ने कहा कि मामले में विस्तृत जांच की जा रही है।

ट्रक ने स्कूटी को टक्कर मारी, महिला व दो बेटियों की मौत

जयपुर। राजस्थान के डीडवाना-कुचामन जिले में सोमवार रात ट्रक ने एक स्कूटी को टक्कर मार दी और घसीटता ले गया। पुलिस के अनुसार इस हादसे में स्कूटी चला रही महिला और उसकी दो नाबालिग बेटियों की मौत हो गई तथा एक और बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि यह हादसा सोमवार रात लाडनूं थाने के गोरेडी गांव के पास हुआ। हादसे में शारदा (47) और उनकी बेटी लाडा (12) और अंकिता (10) की मौत हो गई। एक और बेटी अक्षिता (14) को गंभीर चोटें आईं, उसका पैर कुचल गया और उसका इलाज चल रहा है।पुलिस ने बताया कि लाडनूं की रहने वाली महिला अपनी तीन बेटियों के साथ जा रही थी तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। स्कूटी ट्रक के नीचे फंस गयी और कुछ मीटर तक घिसटता रही। घटना के बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि शारदा और अक्षिता को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया था जहां शारदा ने देर रात दम तोड़ दिया। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है।

सड़क हादसे में चार श्रद्धालुओं की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के तेज रफ्तार एक कार ने एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी जिससे चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह हादसा पापड़ता इलाके में हुआ। उसने बताया कि टक्कर लगने के बाद कार ट्रक के नीचे फंस गई और कुछ किलोमीटर तक उसके साथ घिसटती चली गई। पुलिस उपाधीक्षक दीपक मीणा ने बताया कि कार में पांच तीर्थयात्री सवार थे और वे मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में पूजा करने के बाद नोएडा लौट रहे थे। मीणा ने कहा, हरियाणा नंबर वाली कार लालसोट से दिल्ली की ओर जा रही थी तभी वह ट्रक से टकरा गई। कार तेज रफ्तार के कारण ट्रक के पिछले हिस्से के नीचे फंस गई और कुछ किलोमीटर तक घिसटती चली गई। पुलिस ने बताया कि कार में सवार राहुल गुप्ता (35), पारस अग्रवाल (35), प्रिंस गुप्ता (23) और विक्रम सिंह (30) की मौके पर ही मौत हो गई और पिछली सीट पर बैठे बृजमोहन गुप्ता को मामूली चोटें आईं तथा उसे दौसा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखा गया है।

पाकिस्तान की आईएसआई के लिए जासूसी करने के शक में युवक हिरासत में

जैसलमेर। सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने के शक में राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर से एक युवक को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह कार्रवाई 25 जनवरी की रात को की गई। एक विशेष टीम संदिग्ध के घर पहुंची और उसे हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध की पहचान नेहड़ान गांव के रहने वाले झाबाराम मेघवाल के रूप में हुई है जो सीमावर्ती इलाके में एक ई-मित्र केंद्र संचालित कर रहा था और कथित तौर पर पाकिस्तानी महिला हैंडलर के संपर्क में था। अधिकारियों ने बताया कि सीआईडी-इंटेलिजेंस की टीमें संदिग्ध को पूछताछ के लिए जयपुर ले गईं जबकि उसके मोबाइल फोन और कंप्यूटर को फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। शुरुआती पूछताछ से पता चला है कि वह पिछले चार साल से गांव में ई-मित्र केंद्र संचालित कर रहा था।खुफिया सूत्रों के अनुसार संदिग्ध की कई सरकारी योजनाओं और दस्तावेजों तक पहुंच थी और शक है कि वह सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में आया था। सूत्रों के अनुसार, शक है कि उसने मोहपाश में फंसकर रणनीतिक महत्व की जानकारी साझा की होगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आरोपी ने पैसे के बदले संवेदनशील जानकारी साझा की या किसी दबाव में काम किया। राजस्थान की 1,000 किलोमीटर से ज़्यादा लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा पाकिस्तान से लगती है।

हर्षोल्लास के साथ से मनाया गया गणतंत्र दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को पारंपरिक उत्साह के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस दौरान राज्य के शिक्षण संस्थानों व सरकारी भवनों में तिरंगा फहराया गया और संस्कृति व देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर के एसएमएस स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने ध्वजारोहण किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी अलग-अलग जगह गणतंत्र दिवस समारोहों में भाग लिया। राज्यपाल बागडे ने तिरंगा फहराने के बाद परेड का निरीक्षण किया और 'गार्ड ऑफ ऑनर' लिया। उन्होंने अपने संबोधन में विकसित भारत- विकसित राजस्थान बनाने में सभी से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें हमारे संविधान की महान परंपरा, उसके मूल तत्व और उसके आदर्शों में अटूट आस्था व्यक्त करने का अवसर है। इससे पहले दिन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमर जवान ज्योति पर पुष्पांजलि अर्पित करके राष्ट्र के लिए प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

शहर की बड़ी चौपड़ पर तिरंगा फहराने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 'डबल इंजन' की सरकार पानी, बिजली, सड़क व अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विकास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में हम सभी को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता ने युवाओं का विश्वास बहाल किया है।'

वहीं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी बड़ी चौपड़ पर पार्टी की ओर से आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भारत को महान व खूबसूरत गणतंत्र बताया जिसमें सभी जाति व संप्रदाय के लोगों को समानता का अधिकार प्राप्त है। हालांकि उन्होंने सत्ताधारी भाजपा पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग संविधान को कमजोर कर रहे हैं। जूली ने कहा, जो लोग संविधान की वजह से सत्ता में आए हैं, वही आज संविधान को कमजोर करने की बात कर रहे हैं। दौसा में जिला स्तरीय समारोह में मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने वीरांगनाओं को सम्मानित किया और उनके पैर छुए।

राजनीति में दिल तोड़े भी जाते हैं, दुखाए भी जाते हैं : वसुंधरा राजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोमवार को कहा कि राजनीति में दिल तोड़े भी जाते हैं और दुखाए भी जाते हैं। राजे ने जैन धर्म में अहिंसा के नियम का जिक्र करते हुए यह बात कही। वह छोटी खाटू में आचार्य महाश्रमण मर्यादा महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, जैन धर्म अहिंसा पर आधारित है। किसी भी जीव, किसी भी प्राणी के जीवन को नुकसान पहुंचाना हिंसा मानी गई है। लेकिन हथियार से हिंसा करना या किसी को मारना-पीटना ही हिंसा नहीं है।

किसी का दिल दुखाना और किसी का दिल तोड़ना भी हिंसा है। राजनीति में अक्सर ऐसा होता है। राजे ने कहा, राजनीति में दिल तोड़े भी जाते है और दिल दुखाए भी जाते हैं। उन्होंने कहा कि माता विजया राजे सिंधिया ने सिखाया है कि जीवन में किसी का मन आहत न करें और उन्हीं के रास्ते पर चल रही हैं। एक बयान के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी के साथ अन्याय करना और किसी का हक छीनना भी अधर्म है।

उन्होंने कहा, भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास समय का अभाव है। यदि लोग समय निकाल कर भगवान का स्मरण कर लें तो जीवन में कठिनाइयां आएंगी ही नहीं। इस अवसर आचार्य महाश्रमण ने कहा कि नैतिकता,सद्भावना और नशा मुक्ति व्यक्ति के जीवन में होना चाहिए।

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र बुधवार से शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही विपक्ष के आक्रामक तेवर व तैयारियों को देखते हुए सत्ता पक्ष ने भी शाम 4.30 बजे विधायक दल की बैठक बुलाई है। यह बैठक सीएम भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सीएम आवास में होगी। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने विधानसभा सत्र पर समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की। उन्होंने बताया कि बुधवार से राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र प्रारंभ होगा। यह बजट सत्र हमारे लिए ऐतिहासिक है। हमारी राजस्थान विधानसभा का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है और यह हमारा तीसरा बजट है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा में वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल के नेतृत्व में दोनों ऐतिहासिक बजट आए हैं और उनकी पालना भी धरातल पर हुई है। मात्र बजट घोषणाएं नहीं हैं, उनकी पालना भी हुई है और तीसरा बजट भी ऐतिहासिक होगा। प्रतिपक्ष हमारा बहुत बड़ा अहम रोल करता है, राजस्थान के विकास में, वो हमारी शक्ति है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रतिपक्ष के सभी साथी राजस्थान की आम आवाम के विकास और राजस्थान के विकास और राजस्थान की जनता की भलाई के लिए शहर तक मुद्दे विधानसभा के पटल पर रखेंगे।जोगाराम पटेल ने कहा कि तर्क और वितर्क, सुझाव, आलोचना और समालोचना के साथ विकास के मुद्दों पर अपनी बात कहेंगे, जिसकी सरकार हर वक्त जवाब देने को तत्पर, तैयार थी और रहेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि राजस्थान विधानसभा का जो गौरवपूर्ण इतिहास रहा है, इस बार बजट सत्र में बरकरार रहेगा।

वहीं, विपक्षी नेताओं के बयानों के साथ हाल हुए मुद्दों को देखकर बजट सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने का लगातार प्रयास कर रही है, जबकि सरकार इसे कानून व्यवस्था और प्रशासनिक मजबूती से जोड़कर देख रही है। ऐसे में सदन के भीतर टकराव की स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। अगले महीने 11 फरवरी को प्रदेश का बजट विधानसभा के पटल पर रखा जाएगा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा संभाग स्तर के राजनीतिक और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक करके लगातार फीडबैक ले रहे हैं। सरकार इस बजट में आधारभूत संरचना विकास, रोजगार के नए अवसर और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर बड़ा दांव खेल सकती है।

बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती दरों पर पूंजीगत ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने समिति को निर्देशित किया कि सभी बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

मुख्य सचिव ने योजना के अंतर्गत सभी बैंकों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है। लक्षित वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजना को शहरों के साथ-साथ कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। इसके लिए ग्रामीण उत्थान शिविरों के माध्यम से आमजन को योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी बैंक अपने निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि अन्य जरूरतमंदों को भी प्रेरित किया जा सके। मुख्य सचिव ने फील्ड विजिट एवं निरीक्षण रिपोर्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बैठक में शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव आयोजना विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर, विभागीय वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न राजकीय एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में बारिश से सर्दी बढ़ी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई जगहों पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मंगलवार सुबह बारिश हुई और सर्द हवाओं से ठंडक बढ़ गई। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर संभाग के कुछ भागों में बारिश हो सकती है।

आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने का अनुमान है। राजधानी जयपुर के कई इलाकों सहित अनेक स्थानों पर मंगलवार सुबह हल्की से मध्यम बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के मुताबिक, मंगलवार सुबह तक चौबीस घंटों के दौरान पूर्वी राजस्थान में कई जगहों पर हल्की वर्षा हुई जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा। जोधपुर संभाग में कुछ जगहों पर शीत दिवस की स्थिति रही और पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं हल्का कोहरा रहा।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने कुल 60 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सम्मानित किया। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी विकास हल्दुनिया एवं सहायक कार्मिक अनिल सैनी को उनके उत्कृष्ट कार्यों और समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया ।

इसके अतिरिक्त कोषागार, राजस्व शाखा, लेखा शाखा, रसद विभाग सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया यह सम्मान न केवल उनके मनोबल को बढ़ाएगा बल्कि अन्य कार्मिकों को भी बेहतर दक्षता, कौशल और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्मिक प्रशासन का महत्वपूर्ण स्तंभ है और समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य से ही सुशासन की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। जिला कलक्टर ने इस अवसर पर सभी सम्मानित कार्मिकों से अपेक्षा जताई कि वे भविष्य में भी इसी उत्साह और निष्ठा से कार्य करते हुए जिले के विकास में अपना योगदान देंगे।

सदन और आसन की गरिमा को बनाये रखे : वासुदेव देवनानी

जयपुर/दक्षिण भारत । सोलहवी राजस्थान विधान सभा के पंचम सत्र की बैठक बुधवार 28 जनवरी से प्रारम्भ होगी। इससे पहले मंगलवार को विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में विधान सभा में सर्वदलीय बैठक सम्पन्न हुई। सर्वदलीय बैठक में सदन शांतिपूर्वक चलने और सभी सदस्यों द्वारा सम्मानजनक व गरिमा बनाये रखने वाले शब्दों का उपयोग किये जाने पर सहमति व्यक्त की गई। पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों ने अध्यक्ष को आश्वस्त किया कि पक्ष व प्रतिपक्ष के सदस्य सदन में मर्यादापूर्ण व्यवहार से अपनी बात रखेंगे। विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सदन में सार्थक चर्चा होनी चाहिए। सभी सदस्यों को बोलने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सदन और आसन की गरिमा सभी सदस्य बनाये रखें। सभी दलों के सभी सदस्य सकारात्मक सोच के साथ सदन को चलाए। उन्होंने कहा कि सदन को चलाने की जिम्मेदारी सोलहवीं विधान सभा के सभी पक्ष एवं प्रतिपक्ष सदस्यों की है।

देवनानी ने कहा कि यह सदन जनहित के मुद्दों पर चर्चा करने का पवित्र स्थल है। इस स्थल की गरिमा को बनाएं रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। जनहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा होगी। इसके लिए यदि सदन को देर तक चलाने की आवश्यकता होगी तो सदन को देर तक चलाया जायेगा। उन्होंने कहा कि समस्याओं का हल बातचीत से होता है। सदन में समस्याओं के निस्तारण का प्रयास होगा। यहां पर सदस्यों की बार्ता को गम्भीरता से लिया जायेगा, उनके द्वारा उठाई गई समस्याओं का निस्तारण भी कराया जायेगा। देवनानी ने सभी दलों से अपील की है कि सदन में गरिमा में रहकर मुद्दे उठायें जाए। सभी सदस्य सदन में मर्यादा में रहकर अपनी बात रखें।

देवनानी ने कहा कि पिछले सत्रों के 96 प्रतिशत प्रश्नों के जवाब राजस्थान विधानसभा को प्राप्त हो गये है। उन्होंने कहा कि आगे भी समय पर प्रश्नों के जवाब मंगाये जायेंगे। इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जायेगी। सदन में समितियों की रिपोर्ट समय पर मंगायी जायेगी। उन्होंने कहा कि सदन का प्रश्न और शून्यकाल महत्वपूर्ण होता है। इन दोनों समय में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं होना चाहिए इसके लिए सभी दलों को मंथन करना होगा।

ओडिशा के कोरापुट में मालगाड़ी की दो बोगियां पटरी से उतरीं

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कोरापुट जिले में एक मालगाड़ी की, सामान लदी हुई दो बोगियां पटरी से उतर गईं। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी के अनुसार, यह घटना सोमवार रात करीब 11:35 बजे हुई। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान मालगाड़ी जगदलपुर से विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) के लिए रवाना हो रही थी।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि इस घटना से यात्री ट्रेनों की आवाजाही पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। साथ ही, किसी के भी हताहत होने की सूचना नही है।

अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद पटरी की मरम्मत और बहाली का कार्य तुरंत शुरू कर दिया गया।

एसआर के कारण असमिया लोगों को नहीं, 'मिया' समुदाय के लोगों को समस्या हो रही है : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि मतदाता सूचियों के जारी विशेष संशोधन (एसआर) के कारण किसी भी असमिया नागरिक को कोई समस्या नहीं हो रही है बल्कि केवल 'मिया' (बांग्ला भाषी मुस्लिम) लोगों को ही इस प्रक्रिया से दिक्कत हो रही है। मुख्यमंत्री ने डिगबोई में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि 'मिया' समुदाय के लोगों को राज्य में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। शर्मा ने दावा किया कि मतदाता सूची से 'मिया' मतदाताओं के नाम हटाना केवल एक प्रारंभिक कदम है, और जब बाद में राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया जाएगा, तो बांग्लादेश के मुसलमानों के चार से पांच लाख वोट रद्द कर दिए जाएंगे।

शर्मा ने कहा, ''हां, हम मिया समुदाय के वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें हमारे देश में नहीं, बल्कि बांग्लादेश में वोट देना चाहिए। हम यह सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था कर रहे हैं कि वे असम में वोट न दे सकें।'' उन्होंने पूछा, ''अगर मिया समुदाय को इस संबंध में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, तो हमें क्यों चिंतित होना चाहिए?''

निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय की निगरानी में असम में मतदाता सूचियों की समीक्षा का आदेश दिया था, जिसका उद्देश्य नागरिकता का सत्यापन करना था। यह प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। राज्य में नागरिकता अधिनियम के तहत नागरिकता संबंधी अलग प्रावधान हैं। एकीकृत मतदाता सूची 27 दिसंबर को प्रकाशित की गई थी, जबकि दावे और आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया 22 जनवरी तक जारी रही। अंतिम मतदाता सूची 10 फरवरी को प्रकाशित की जाएगी।

पलामू में जादू-टोना के संदेह में बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या

मेदिनीनगर/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में कुछ लोगों ने 'जादू-टोना' करने के संदेह में 60 वर्षीय एक बुजुर्ग को कथित तौर पर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सोमवार को मनातू थाना क्षेत्र के छांका गांव में हुई। मृतक की पहचान फगुनी भुइयां के रूप में हुई है। लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने बताया, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बुजुर्ग की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या की गई है। इस घटना में दो से अधिक लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) भेजा गया है। झा ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए तलाश जारी है।

झारखंड के गिरिडीह में दो आदिवासी लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म

गिरिडीह (झारखंड)/भाषा। झारखंड के गिरिडीह जिले में दो आदिवासी लड़कियों के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पीरटांड़ थाना क्षेत्र के हरलाडीह इलाके में रविवार रात को तब हुई जब दो नाबालिग लड़कियां गांव के एक मेले से घर लौट रही थीं।

हरलाडीह चौकी के प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि छह-सात अज्ञात लोगों ने लड़कियों को अगवा किया और उन्हें पास के एक खेत में ले जाकर उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि पीड़िताओं की माताओं के बयानों के आधार पर इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच जारी है। डुमरी के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सुमित प्रसाद ने कहा कि पीड़िताओं की मेडिकल जांच करा ली गई है और दोषियों को पकड़ने के लिए कई स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

घबराइए मत, हर समस्या का होगा समाधान: योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को उनके 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में आए फरियादियों को आश्वासन देते हुए कहा कि ''घबराइए मत, समस्या का समाधान होगा''। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया कि सोमवार देर शाम गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की।

विज्ञप्ति के अनुसार उन्होंने लोगों की समस्याओं को ध्यान से सुना, उनके प्रार्थना पत्रों को पढ़ा और फिर उनसे कहा, ''घबराइए मत, समस्या का समाधान कराया जाएगा।'' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण व पारदर्शी निराकरण कराएं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने के निर्देश दिए। विज्ञप्ति के अनुसार कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाए जाने की शिकायत पर मुख्यमंत्री ने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए।

बयान के अनुसार हर बार की तरह जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे जिनसे मुख्यमंत्री ने कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी और सरकार भरपूर आर्थिक मदद देगी।

किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है : उमा भारती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित संगम में मौनी अमावस्या स्नान को लेकर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के मध्य जारी विवाद के बीच मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने मंगलवार को कहा कि किसी के शंकराचार्य होने का सबूत मांगना मर्यादा का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रशासन और कानून-व्यवस्था पर नियंत्रण रखने की नसीहत देते हुए भारती ने उम्मीद जताई कि जल्द ही इस विवाद का कोई सकारात्मक समाधान निकलेगा।

उल्लेखनीय है कि माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को मौनी अमावस्या स्नान करने से मेला प्रशासन और पुलिस द्वारा कथित तौर पर रोके जाने को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद मेला प्रशासन ने उन्हें नोटिस भेजकर कहा था कि उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन दीवानी अपील में आदेश दिया गया था कि जब तक अपील निस्तारित नहीं हो जाती, तब तक कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं हो सकता। नोटिस में कहा था कि इससे स्पष्ट है कि कोई भी धर्माचार्य ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य के रूप में पट्टाभिषेकित नहीं किया गया है, बावजूद इसके प्रयागराज माघ मेला 2025-26 में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा अपने शिविर में लगाए गए बोर्ड पर स्वयं को ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य घोषित व प्रदर्शित किया गया है। इसके जवाब में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की टीम ने प्रशासन पर शंकराचार्य और उनके शिष्यों की सदियों पुरानी परंपराओं में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था।

त्रिपुरा सरकार कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि की अनुमति नहीं देगी : मुख्यमंत्री साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को राज्य की लगभग 19 जनजातियों द्वारा बोली जाने वाली कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि लागू करने की मांग को खारिज कर दिया।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी दल टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) ने त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (टीटीएएडीसी) के चुनावों से पहले यह मांग उठाई थी, जिसके बाद साहा का बयान आया है। कोकबोरोक, पूर्वोत्तर राज्य की लगभग 14 लाख आबादी वाली 19 जनजातियों में से अधिकांश की मातृभाषा है। मुख्यमंत्री ने दक्षिण त्रिपुरा के जोलाईबारी में एक पार्टी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हम कोकबोरोक भाषा के लिए रोमन लिपि को कभी स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि यह स्वदेशी परंपरा और संस्कृति के लिए खतरा है। अगर रोमन लिपि को उनकी भाषा के लिए अपनाया गया तो युवा पीढ़ी अपनी संस्कृति को पूरी तरह से भूल जाएगी। उन्होंने आदिवासी बुद्धिजीवियों से कोकबोरोक भाषा के लिए अपनी लिपि विकसित करने और उसके उचित विकास का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार स्वदेशी भाषा के लिए बंगाली या किसी अन्य लिपि पर जोर नहीं दे रही है।

साहा ने कहा, अगर चकमा जनजाति के लोग अपनी लिपि विकसित कर सकते हैं, तो कोकबोरोक भाषी लोग पिछड़े क्यों रहें? लिपि का मुद्दा उठाकर युवा पीढ़ी को भ्रमित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केवल भाजपा ही आदिवासी लोगों के जीवन स्तर, उनकी संस्कृति और परंपरा का विकास कर सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पूर्वोत्तर राज्य के निर्माण में योगदान देने वाले माणिक्य साम्राज्य को सम्मान देना शुरू कर दिया है।

भारत में भाजपा के हमलों का मुकाबला केवल दीदी कर सकती हैं : अखिलेश यादव

कोलकाता/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सराहना करते हुए कहा कि वह (बनर्जी) पूरे भारत में भाजपा का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने वालीं एकमात्र विपक्षी नेता हैं और भाजपा को आगामी विधानसभा चुनाव में करारी हार का सामना पड़ेगा।

यादव ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता किरणमय नंदा के साथ राज्य सचिवालय 'नबन्ना' में बनर्जी से मुलाकात की। यह मुलाकात विवादास्पद एसआईआर को लेकर राज्य में गरम सियासी माहौल के बीच हुई है। यादव ने भाजपा के हमलों का मुकाबला करने में दिखाए गए साहस के लिए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की सराहना की। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने 40 मिनट की मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा, ''पूरे देश में अगर कोई भाजपा का प्रभावी तरीके से मुकाबला कर रहा है तो वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हैं। भाजपा का इसी तरह से मुकाबला किया जा सकता है, जिस तरह वह कर रही हैं। यादव का यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा विरोधी 'इंडिया' गठबंधन में शामिल कई क्षेत्रीय दल पहले यह आरोप लगा चुके हैं कि गठबंधन में शामिल सबसे बड़ा दल कांग्रेस बड़े भाई की तरह व्यवहार कर रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यादव ने इस बयान के जरिये न केवल बनर्जी के राजनीतिक रुख की सराहना की, बल्कि कांग्रेस को भी इशारों ही इशारों में अपना संदेश पहुंचा दिया है, जो 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से अलग-अलग चुनाव में भाजपा के खिलाफ जीत हासिल करने में विफल रही है।

अविमुक्तेश्वरानंद मुद्दे पर अयोध्या में जीएसटी उपायुक्त ने इस्तीफा दिया

अयोध्या (उप्र)/भाषा। अयोध्या में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) उपायुक्त प्रशांत कुमार सिंह ने मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया तथा कहा कि जाति और धर्म के आधार पर देश को बांटने की हालिया कोशिशों से उन्हें गहरा दुख हुआ है, जो कथित तौर पर प्रयागराज की पवित्र भूमि से हो रही हैं। सिंह ने कहा कि वह सरकार, संविधान और देश के चुने हुए नेतृत्व के समर्थन में यह कदम उठा रहे हैं। प्रयागराज में ज्योतिष पीठ शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और माघ मेला प्रशासन के बीच उस समय तनाव बढ़ गया, जब 18 जनवरी को मौनी अमावस्या स्नान पर्व के मौके पर पुलिस ने कथित तौर पर उन्हें और उनके अनुयायियों को गंगा में स्नान करने से रोक दिया। इस घटना के बाद, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद अपने शिविर के बाहर धरने पर बैठ गए, और मेला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से माफी मांगने की मांग की। सिंह ने कहा, ''पिछले कुछ दिनों से प्रयागराज की पवित्र भूमि से जाति और धर्म के आधार पर देश को बांटने की घिनौनी कोशिशें हो रही हैं। इससे मुझे गहरा दुख हुआ है।'' यह फैसला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भारत के संविधान के समर्थन में लिया गया है।

राहुल की छवि खराब करने के प्रयास में भाजपा, राजनाथ और नवीन ने भी 'गमोसा' नहीं पहना : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने असमिया 'गमोसा' विवाद को लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पलटवार करते हुए राहुल गांधी की छवि नष्ट करने के प्रयास का आरोप लगाया और कहा कि सत्तापक्ष को माफी मांगनी चाहिए क्योंकि गणतंत्र दिवस समारोह में उन्हें और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष को तीसरी कतार में बैठाकर ''अपमानित'' किया गया।

भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पारंपरिक 'ऐट होम' कार्यक्रम में 'गमोसा' नहीं पहना था जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रति अनादर है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दावा किया कि इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी 'गमोसा नहीं पहना था।

उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''ये (राहुल द्वारा गमोसा को कथित तौर पर नहीं पहनना) सब झूठ है। यहां तक कि रक्षा मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी 'गमोसा' नहीं पहना था। राहुल गांधी ने 'गमोसा' पहना, लेकिन बाद में उन्होंने इसे हाथ में पकड़ लिया।''

खरगे ने कहा, ''भाजपा के लोग इसे ऐसा प्रचारित करना चाह रहे हैं कि मानो राहुल गांधी पूर्वोत्तर राज्यों और उनकी संस्कृति के खिलाफ हों। वह एकमात्र नेता हैं जो पूर्वोत्तर के सभी कलाकारों से मिले।''

उनका दावा था कि राहुल गांधी की छवि को नष्ट करना चाहते हैं, लेकिन वे (भाजपा नेता) सफल नहीं होंगे।

खरगे ने कहा, ''उन्होंने (भारतीय जनता पार्टी ने) हमारा अपमान किया। उन्होंने हमें (गणतंत्र दिवस समारोह में) राज्य के मंत्रियों के बगल में तीसरी पंक्ति में बैठाया। इसके लिए उन्हें हमसे माफी मांगनी चाहिए।''

विश्व कप 2030 के फाइनल की मेजबानी करेगा स्पेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैड्रिड/एपी। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फ़ीफ़ा ने अभी तक यह नहीं बताया है कि 2030 में होने वाले विश्व कप के नॉकआउट चरण के मैच कहां खेले जाएंगे लेकिन स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष ने कहा कि स्पेन फाइनल की मेजबानी करेगा।

स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को इस विश्व कप के संयुक्त मेजबान हैं जबकि उरुग्वे, अर्जेंटीना और पैरागे भी एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे।

स्पेन फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष राफेल लूजान ने पत्रकारों को बताया कि फाइनल मैच स्पेन में होगा, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह किस शहर या किस स्थान पर खेला जाएगा।

उन्होंने कहा, ''स्पेन विश्व कप में शीर्ष पर रहेगा और फाइनल यहीं खेला जाएगा।''

मोरक्को भी फाइनल की मेजबानी करना चाहता है।

देश में है अजीब हालात, सभी के सामने है अपनी पहचान साबित करने की चुनौती : कांग्रेस सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सहारनपुर (उप्र)/भाषा। कांग्रेस के स्थानीय सांसद इमरान मसूद ने मंगलवार को कहा कि देश मे अजीबोगरीब हालत पैदा हो गए हैं और हर वर्ग के सामने अपनी पहचान साबित करने की चुनौती खड़ी हो गई है। मसूद ने यहां पत्रकारों से कहा,देश मे अजीबोगरीब हालत पैदा हो गए हैं। नागरिक हो, तो नागरिकता साबित करो, मतदाता हो, तो वह साबित करो।

उन्होंने कहा,'' और तो और, अगर आप धर्मगुरु हैं तो वह भी साबित कीजिए, शंकराचार्य हैं तो वह भी साबित कीजिए। शंकराचार्य का इससे बडा अपमान क्या हो सकता है। साधु-संतों के नाम पर अपनी राजनीति को खड़ा करने का काम करने वालों के शासन काल में सबसे ज्यादा अपमान साधु-संतो का हो रहा है। मसूद प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को 'शंकराचार्य' की उपाधि का उपयोग करने को लेकर मेला प्रशासन द्वारा जारी नोटिस का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गंगोत्री धाम हिंदुओं का पवित्र स्थल है, वहां पहले से ही कोई मुसलमान नहीं जाता, लेकिन इसके बावजूद पहचान साबित करने जैसी शर्तें लगाकर समाज में जहर धोला जा रहा है। हालात ऐसे बना दिए गए हैं कि पहले साबित करो कि तुम हिन्दू हो, तभी मन्दिर जाओगे और इससे पहले कहा जाता था कि नागरिकता साबित करो, लेकिन अब धर्म साबित करने की बात भी हो रही है।

अभी संन्यास लेने का विचार नहीं, जब समय आएगा तो देर नहीं करूंगा : केएल राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने स्वीकार किया है कि संन्यास लेने का विचार उनके मन में आया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि अभी इसमें 'कुछ समय बाकी है' और जब समय आएगा तो वह इसमें देर नहीं लगाएंगे। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ बातचीत में राहुल ने कहा कि संन्यास लेना कोई मुश्किल फैसला नहीं होगा क्योंकि क्रिकेट के अलावा भी जीवन है।

भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के प्रमुख खिलाड़ी 33 वर्षीय राहुल ने पीटरसन से उनके यूट्यूब चैनल पर कहा, ''मैंने इसके बारे में सोचा है। मुझे नहीं लगता कि यह (संन्यास लेना) इतना मुश्किल होगा। अगर आप खुद के प्रति ईमानदार हैं तो जब समय आएगा तब इसे टालने का कोई मतलब नहीं होगा। निश्चित तौर पर इसमें अभी कुछ समय लगेगा।''

राहुल ने 67 टेस्ट मैचों में 35.8 के औसत से 4,053 रन और 94 वनडे मैचों में 50.9 के औसत से 3,360 रन बनाए हैं। उन्होंने 72 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.75 के औसत और 139 के स्ट्राइक रेट से 2,265 रन भी बनाए हैं।

राहुल ने कहा कि वह खुद को सुपरस्टार या बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं मानते हैं, जिससे उन्हें लगता है कि भविष्य में संन्यास का फैसला करना आसान हो जाएगा। उन्होंने कहा, ''बस चुपचाप (खेलना) छोड़ दो। जो कुछ तुम्हारे पास है, उसका आनंद लो। तुम्हारा परिवार भी है, इसलिए बस वही करो जो तुम्हें अच्छा लगे। यही सबसे कठिन है। इसलिए मैं खुद को यही समझाने की कोशिश करता हूं कि मैं बहुत महत्वपूर्ण नहीं हूं।''

राहुल ने कहा, ''हमारे देश में क्रिकेट चलता रहेगा। दुनिया भर में क्रिकेट चलता रहेगा। जीवन में और भी महत्वपूर्ण चीजें हैं और मुझे लगता है कि यह सोच मेरी हमेशा से रही है, लेकिन जब से मैं पिता बना हूं तब से जीवन के प्रति मेरा नजरिया पूरी तरह बदल गया है। यही मेरी सोच है।''

इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने कई चोटों से जूझने की 'सबसे मुश्किल जंग' के बारे में भी खुलकर बात की, जिसके कारण उन्हें शीर्ष स्तर पर अपनी निरंतरता को लेकर सवाल उठाने पड़े। उन्होंने कहा, ''ऐसा भी समय था जब मैं चोटिल हो गया। मुझे कई बार चोट लगी है और यही सबसे मुश्किल चुनौती होती है। यह वो दर्द नहीं है जो फिजियोथेरेपिस्ट या सर्जन आपको देते हैं। यह मानसिक द्वंद्व है जहां आपका मन हार मान लेता है। जब ऐसा बार-बार होता है, तो आपका मन सोचने लगता है, तुमने बहुत कुछ कर लिया है। तुम भाग्यशाली रहे हो कि क्रिकेट ने तुम्हें पर्याप्त पैसा दिया है। तुम इससे आगे कई साल गुजार सकते हो।'' राहुल गुरुवार को मोहाली में पंजाब के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में कर्नाटक की ओर से खेलेंगे।

रोहित के साथ होने से खिलाड़ियों तक संदेश पहुंचाना बहुत आसान था : द्रविड़

बेंगलूरु/भाषा। भारत के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने रोहित शर्मा की बदलाव के प्रति खुली सोच को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इससे उनका काम काफी आसान हो गया था क्योंकि कप्तान का संदेश बिना किसी मुश्किल के पूरी टीम तक पहुंच जाता था। द्रविड़ लगभग तीन साल तक भारत के मुख्य कोच रहे और रोहित की कप्तानी में राष्ट्रीय टीम को अमेरिका में 2024 टी20 विश्व कप में जीत दिलाई। इसके बाद गौतम गंभीर को मुख्य कोच नियुक्त किया गया।

रोहित अपने दोस्ताना मजाक के कारण टीम के साथियों के बीच लोकप्रिय थे जिससे उन्हें एक मजबूत तालमेल बनाने में मदद मिली और उनके लिए टीम में सुधार के बारे में अपने विचार साझा करना आसान हो गया। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में महान क्रिकेटर द्रविड़ ने कहा, ''जब आपका कप्तान खड़ा होता है और कहता है, 'मैं यह जिम्मेदारी लेता हूं, भले ही यह रनों की कीमत पर यह करना पड़े', तो उस संदेश को टीम के साथियों तक पहुंचाना बहुत आसान हो जाता है। सच तो यह है कि वह हर चीज की अगुआई करते, जिससे बतौर कोच आपका काम बहुत आसान हो गया।'' द्रविड़ ने कहा, ''उन्होंने रास्ता दिखाया।'' उन्होंने कहा कि रोहित ने जल्दी ही पहचान लिया था कि भारत के सफेद गेंद के क्रिकेट को बदलने की जरूरत है और वह ऐसे खिलाड़ी बने जिन्होंने खेल को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी ली। द्रविड़ ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस चीज में सबसे आसान हिस्सा रोहित के साथ काम करना था जो खुद भी इस बारे में काफी सोच-विचार करते थे। वह भी पहचान रहे थे कि खेल बदल रहा है। आप जानते हैं, पिछले 10 साल में सफेद गेंद के क्रिकेट में बल्लेबाजी का तरीका, सब कुछ बदलना शुरू हो गया था। कुछ मायनों में, ऐसा लग रहा था कि हम थोड़े पीछे हैं और हमें इसमें बेहतर होने की जरूरत है। हमें थोड़ा और आगे बढ़ने की जरूरत थी।''

सुविचार

अच्छा इंसान बनने की कोशिश उसी तरह करो जिस तरह हम सुंदर बनने की करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूजीसी नियमः अविश्वास की दीवार न बनाएं

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जातिगत भेदभाव को रोकने और समानता को बढ़ावा देने के लिए लागू किए गए नियमों ने कई आशंकाएं पैदा कर दी हैं। अभी ये नियम ही पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। उनकी कई तरह से व्याख्या की जा रही है। अगर समता समिति में एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग और महिला के साथ सामान्य वर्ग का अनिवार्य प्रतिनिधित्व होता तो आज सड़कों पर इतना आक्रोश न होता। सामान्य वर्ग के लोग यह सोचने को मजबूर हैं कि हमारे बच्चों को पहले ही शक के दायरे में ले लिया गया है। देश में जातिगत भेदभाव एक कड़वी सच्चाई है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। हालांकि इसमें बहुत कमी आई है। जो व्यक्ति इसका पीड़ित है, उसे न्याय मिलना चाहिए, लेकिन इस प्रणाली में किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। नियम ऐसे हों जो भेदभाव को खत्म करें, सामाजिक समरसता को बढ़ावा दें। यूजीसी के उक्त नियम सभी वर्गों का विश्वास जीतने में कहीं-न-कहीं विफल रहे हैं। आंदोलन कर रहे लोग यह नहीं कह रहे कि नियम लागू न किए जाएं। बेशक नियम लागू करें, लेकिन सबको अनिवार्य प्रतिनिधित्व देने के साथ उनकी आशंकाओं का निवारण करें। किसी भी नियम-कानून को लागू करने से पहले उसके दूसरे पहलू को जरूर देखना चाहिए। कहीं उसका दुरुपयोग तो नहीं होगा? कहीं वह निर्दोष के लिए फांसी का फंदा तो नहीं बन जाएगा? ध्यान रहे, पूर्व में दहेज प्रथा और जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिए संसद ने जो कानून बनाए थे, उनका बहुत दुरुपयोग हुआ है। उन पर उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने चिंता जताई है। फर्जी मुकदमों के कारण हजारों लोगों की जिंदगी बर्बाद हुई है।

सामान्य वर्ग की एक चिंता यह है कि अब उच्च शिक्षण संस्थानों में उनके बच्चों को बेवजह निशाना बनाया जाएगा। झूठी शिकायतों की रोकथाम के लिए कोई पुख्ता व्यवस्था न होने से संस्थान जातिगत झगड़ों के मैदान बन सकते हैं। जो उम्र पढ़ाई-लिखाई और नए दोस्त बनाने की होती है, उसमें बच्चे डर के साए में रहेंगे। इन नियमों से समरसता कितनी बढ़ेगी, यह बहस का विषय हो सकता है, लेकिन कई अभिभावक अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए यह जरूर कहेंगे कि वे बहुत सोच-समझकर ही किसी से दोस्ती करें। बच्चे भी अन्य वर्ग के सहपाठियों से बातचीत करने से कतराएंगे। क्या इससे समावेशी समाज का निर्माण होगा? विद्यार्थी जीवन में प्रतिस्पर्द्धा की भावना होती है। कक्षा में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चे से कुछ सहपाठियों को ईर्ष्या हो सकती है। अगर सामान्य वर्ग के किसी प्रतिभावान विद्यार्थी के खिलाफ झूठी शिकायत कर दी जाए तो क्या होगा? संस्थान तो खुद को बचाने के लिए कार्रवाई कर देगा। उस विद्यार्थी का भविष्य चौपट हो जाएगा। अगर वह बाद में निर्दोष साबित हो जाए तो यह राहत काफी नहीं होगी, क्योंकि इस दौरान उसे जो मानसिक पीड़ा होगी, पढ़ाई का नुकसान होगा, छवि पर दाग लगेगा, उसकी भरपाई कोई नहीं कर सकेगा। कौन माता-पिता चाहेंगे कि उनकी प्रतिभावान संतानें पढ़ाई करने जाएं और पेशी भुगतें? ऐसी स्थिति में साधन संपन्न लोग अपने बच्चों को विदेश भेजना चाहेंगे, जिससे प्रतिभा पलायन होगा। क्या इससे हम विश्वगुरु बनेंगे? जब एक पक्ष के पास असीमित अधिकार हों, उसे दंड का कोई भय न रहे तो भविष्य में विवाद कम नहीं होंगे, बल्कि बढ़ेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए। यूजीसी के नियमों के जरिए उच्च शिक्षण संस्थानों में हर विद्यार्थी को संरक्षण दिया जाए। किसी के साथ भेदभाव न हो। कोई भी खुद को पराया न समझे। यही सच्चा सामाजिक न्याय होगा।

ट्वीटर टॉक

डबल इंजन सरकार की अभिनव पहल! 'पंच गौरव कार्यक्रम' प्रदेश के हर जिले की विशिष्ट पहचान को नई उड़ान दे रहा है। एक उत्पाद, एक उपज, एक खेल, एक वनस्पति और एक पर्यटन स्थल स्थानीय क्षमताओं को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

-भजनलाल शर्मा

पीयूष पांडे जी भारतीय विज्ञापन जगत के प्रतिष्ठित और प्रभावशाली रचनाकार रहे हैं, जिनका सृजनात्मक करियर चार दशकों से अधिक समय तक फैला रहा। विज्ञापन अभियानों के माध्यम से उन्होंने न केवल उद्योग में रचनात्मक परिवर्तन किए।

-दिया कुमारी

आज छोटी खाटू में आचार्य महाश्रमण मर्यादा महोत्सव में हिस्सा लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जैन धर्म अहिंसा पर आधारित है। किसी भी जीव, किसी भी प्राणी के जीवन को नुक़सान पहुंचाना हिंसा मानी गई है। लेकिन हथियार से हिंसा करना या किसी को मारना-पीटना ही हिंसा नहीं है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

मानवता का सम्मान

नेपोलियन बोनापार्ट अपने विजय अभियानों के दौरान जीते हुए राज्यों को, विजित राजाओं से उनके वफादार रहने का आश्वासन प्राप्त करने के बाद उन्हें पुनः लौटाया करता था। एक बार, ऐसे ही एक हारे हुए राजा को नेपोलियन ने उसका राज्य वापस दे दिया, लेकिन वह शत्रुओं से जा मिला और नेपोलियन के खिलाफ विद्रोह कर दिया। नेपोलियन ने क्रोधित होकर उसकी राजधानी पर आक्रमण कर दिया। नेपोलियन की विशाल सेना से भयभीत होकर राजा अपने परिवार के साथ जंगलों में भाग गया, लेकिन जल्दबाजी में एक बीमार राजकुमार महल में ही छूट गया। नेपोलियन ने राजमहल को तोप से उड़ाने का आदेश दिया। तोपों की गरज के बीच, बीमार राजकुमार इधर-उधर दौड़ने लगा। किसी तरह सिपाहियों ने यह सूचना नेपोलियन तक पहुंचाई। यह सुनते ही नेपोलियन ने तुरंत गोलाबारी रुकवा दी। तोपें शांत होते ही सेनापति नेपोलियन के पास आया और बोला, 'यह आपने क्या किया? सारे सैनिकों का उत्साह भंग हो गया है और सैनिकों के नियमों का भी उल्लंघन हुआ है।' यह सुनकर नेपोलियन ने उत्तर दिया, 'मेरे भाई, मैं मानता हूं कि सैनिकों के नियमों का उल्लंघन हुआ है, लेकिन साथ ही मानवता का अपमान भी हुआ होता, और यह हम वीरों को शोभा नहीं देता।'

सामयिक

नफरत बनाम संविधान : लोकतंत्र की असली कसौटी

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

समाज की सामूहिक भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नागरिक समाज, मीडिया और आम जनता को मिलकर नफरत से प्रेरित कथाओं को अस्वीकार करना होगा। आज के डिजिटल युग में, विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से, कोई भी बयान पलक झपकते ही व्यापक प्रभाव डाल सकता है।

आधुनिक लोकतंत्रों के सामने नफरती भाषण की समस्या एक गंभीर और बढ़ती हुई चुनौती बनती जा रही है, विशेषकर भारत जैसे बहुलतावादी समाज में, जहाँ धर्म, जाति, भाषा और विचारधाराओं की विविधता ही सामाजिक ढाँचे की आधारशिला है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक विमर्श का उद्देश्य आदर्श रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना होना चाहिए, किंतु दुर्भाग्यवश यह विमर्श कई बार उकसावेपूर्ण और विभाजनकारी भाषा में बदल जाता है। मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा नफरती भाषण और उस पर प्रतिक्रिया देने वालों की जिम्मेदारी को लेकर की गई हालिया टिप्पणियों ने इस संवेदनशील विषय को एक बार फिर सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला दिया है। न्यायालय की ये टिप्पणियाँ एक गहरी संवैधानिक चिंता को उजागर करती हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुँचाने वाले भाषण के लिए ढाल नहीं बनाया जा सकता और न ही चुनिंदा आक्रोश को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

नफरती भाषण केवल आपत्तिजनक शब्दों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह ऐसी भाषा होती है जो किसी व्यक्ति या समुदाय को अमानवीय बनाती है, उसे हाशिये पर धकेलती है या उसके विरुद्ध शत्रुता और घृणा को बढ़ावा देती है। भारत जैसे सामाजिक रूप से जटिल देश में इस प्रकार का भाषण सार्वजनिक व्यवस्था को बिगाड़ने और पहले से मौजूद सामाजिक दरारों को और गहरा करने की क्षमता रखता है। मद्रास उच्च न्यायालय ने स्पष्ट रूप से कहा कि जब मूल नफरती भाषण पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती, तो उस पर प्रतिक्रिया देने वालों को अपराधी ठहराना न्यायसंगत नहीं है। यह टिप्पणी कानून के क्रियान्वयन और राजनीतिक जवाबदेही में मौजूद एक गंभीर असंगति को उजागर करती है। जब सत्ता में बैठे लोग भड़काऊ बयान देकर भी दंड से बच जाते हैं, तो यह संदेश जाता है कि सत्ता उन्हें विशेष संरक्षण देती है, जिससे संस्थानों में जनता का विश्वास कमजोर होता है।

एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता द्वारा किसी धार्मिक आस्था के विरुद्ध की गई टिप्पणी से जुड़ा विवाद इस बात का उदाहरण है कि राजनीतिक भाषण किस प्रकार संवैधानिक सीमाओं को पार कर सकता है। यद्यपि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार पूर्ण नहीं है और इस पर युक्तिसंगत प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं, विशेषकर तब जब कोई भाषण सार्वजनिक व्यवस्था या नैतिकता के लिए खतरा बन जाए। न्यायालय की चिंता केवल उस बयान तक सीमित नहीं थी, बल्कि इस तथ्य पर भी केंद्रित थी कि राज्य ने मूल वक्ता के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि प्रतिक्रिया देने वालों के खिलाफ कानूनी कदम उठाए गए। कानून का ऐसा चयनात्मक प्रयोग संविधान के अनुच्छेद 14 में निहित कानून के समक्ष समानता के सिद्धांत का स्पष्ट उल्लंघन है।

राजनीतिक नेताओं पर सामान्य नागरिकों की तुलना में कहीं अधिक नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी होती है। उनके शब्दों में सत्ता का वजन होता है, वे जनमानस को प्रभावित करते हैं और कई बार पूर्वाग्रह को वैधता प्रदान कर देते हैं। जब नेता स्वयं नफरती भाषा का प्रयोग करते हैं, तो इससे असहिष्णुता सामान्य हो जाती है और समाज में चरमपंथी तत्वों को प्रोत्साहन मिलता है। मद्रास उच्च न्यायालय ने सही ही कहा कि प्रतिक्रिया को दबाना और मूल कारण को अनदेखा करना न्याय की अवधारणा के साथ अन्याय है। कोई भी लोकतंत्र उस स्थिति में स्वस्थ रूप से कार्य नहीं कर सकता, जहाँ असहमति को दंडित किया जाए और उकसावे को राजनीतिक सुविधा के कारण संरक्षण दिया जाए।

न्यायालय द्वारा रेखांकित किया गया एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू यह है कि सुधार या वैचारिक आलोचना के नाम पर पूरे समुदाय को निशाना बनाने का खतरा। प्रगतिशील समाज में धार्मिक या सामाजिक प्रथाओं की तार्किक आलोचना आवश्यक है, किंतु यह आलोचना संवेदनशीलता और सम्मान के साथ होनी चाहिए। किसी पूरे समुदाय को पिछड़ा, खतरनाक या समस्या का स्रोत बताना सामूहिक दोषारोपण है, जो नफरती भाषण का मूल तत्व होता है। सुधारात्मक विमर्श का उद्देश्य संवाद और समझ को बढ़ाना होना चाहिए, न कि अपमान और उकसावे को। राजनीतिक लाभ के लिए पहचान की राजनीति को हथियार बनाने की प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है। नफरती भाषण अक्सर भावनाओं को भड़काकर समर्थन जुटाने का एक आसान तरीका बन जाता है, जहाँ तर्क और विवेक की जगह भय और आक्रोश को प्राथमिकता दी जाती है। यह रणनीति भले ही अल्पकालिक चुनावी लाभ दे दे, लेकिन इससे सामाजिक एकता को दीर्घकालिक क्षति पहुँचती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ इस बात की याद दिलाती हैं कि लोकतंत्र बहस से फलता-फूलता है, न कि दानवीकरण से। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा संविधानिक मूल्यों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए।

ऐसे मामलों में न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, विशेषकर तब जब कार्यपालिका निष्पक्षता से कार्य करने में विफल रहती है। नफरती भाषण के विरुद्ध कार्रवाई न होने पर चिंता व्यक्त करके मद्रास उच्च न्यायालय ने संवैधानिक नैतिकता के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका को दोहराया है। जब राजनीतिक विमर्श लोकतांत्रिक मानदंडों को कमजोर करने लगे, तब न्यायालय मूक दर्शक नहीं बन सकता। हालांकि, न्यायिक हस्तक्षेप का उद्देश्य राजनीतिक जिम्मेदारी का स्थान लेना नहीं, बल्कि उसे सुनिश्चित करना होना चाहिए। इस पूरे प्रकरण से एक महत्वपूर्ण सबक यह मिलता है कि कानून के मानक एकसमान होने चाहिए। नफरती भाषण से संबंधित कानूनों को वक्ता की हैसियत या राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। जब कानून का प्रवर्तन पक्षपातपूर्ण प्रतीत होता है, तो इससे असंतोष और अविश्वास जन्म लेता है, और कानूनी व्यवस्था की वैधता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। नागरिकों को लगने लगता है कि न्याय चयनित लोगों के लिए है, जिससे लोकतांत्रिक ताने-बाने को गहरी चोट पहुँचती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ राजनीतिक वर्ग और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए आत्ममंथन का आह्वान हैं।

समाज की सामूहिक भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नागरिक समाज, मीडिया और आम जनता को मिलकर नफरत से प्रेरित कथाओं को अस्वीकार करना होगा। आज के डिजिटल युग में, विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से, कोई भी बयान पलक झपकते ही व्यापक प्रभाव डाल सकता है। ऐसे में जिम्मेदार संवाद की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। यद्यपि कानूनी उपाय आवश्यक हैं, लेकिन सामाजिक स्तर पर नफरती भाषण की निंदा करना भी उसे हतोत्साहित करने का एक प्रभावी साधन है। नफरती भाषण को लेकर मद्रास उच्च न्यायालय की टिप्पणियाँ राजनीतिक जीवन में विभाजनकारी भाषा के सामान्यीकरण के विरुद्ध एक समयोचित चेतावनी हैं। लोकतंत्र केवल चुनावों से जीवित नहीं रहता, बल्कि आपसी सम्मान, संवैधानिक अनुशासन और नैतिक संयम से फलता-फूलता है। राजनीतिक नेताओं को यह समझना होगा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ दूसरों को आहत करने की छूट नहीं है। सच्चा नेतृत्व समाज को जोड़ने में है, न कि वैचारिक या चुनावी लाभ के लिए उसे बाँटने में। यदि भारत को एक जीवंत, समावेशी और सशक्त लोकतंत्र बने रहना है, तो नफरती भाषण का सामना दृढ़ता, निष्पक्षता और निरंतरता के साथ करना होगा और इसकी शुरुआत उन्हीं लोगों से होनी चाहिए, जिनके पास समाज की सोच को दिशा देने की सबसे अधिक शक्ति है।

नजरिया

सड़कें बन रहीं सुरक्षित कम, जानलेवा ज़्यादा

देवेंद्र सिंह

मोबाइल : 80946 61100

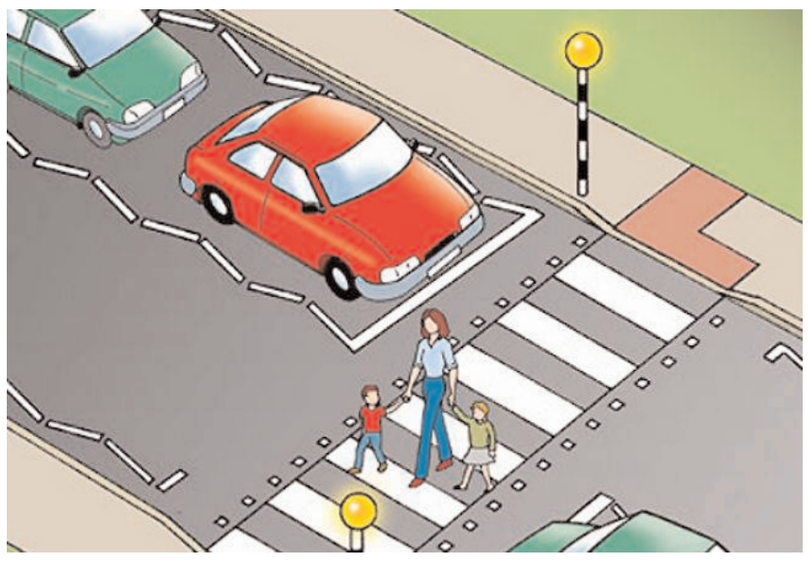

हाल ही में जारी वर्ल्ड पॉपुलेशन रिव्यू की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवा रहे हैं और इनमें सबसे बड़ी हिस्सेदारी कार दुर्घटनाओं की है। तेज़ रफ्तार, नियमों की अनदेखी और लापरवाह ड्राइविंग ने सड़कों को मौत का कुआं बना दिया है। दुनिया भर में सड़क सुरक्षा आज एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुकी है। दुनिया में सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाओं वाले शीर्ष 5 देशों में भारत, चीन, अमेरिका, ब्राजील और रूस शामिल हैं। इन देशों में खराब सड़क बुनियादी ढांचे, तेज़ गति, यातायात नियमों की अनदेखी और अधिक जनसंख्या के कारण सड़क हादसों और मौतों की दर सबसे अधिक है, जहां भारत में हर 4 मिनट में एक व्यक्ति की जान चली जाती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि व्यापक और सतत जागरूकता अभियान नहीं चलाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गहराता जाएगा।

वैश्विक स्तर पर देखें तो संयुक्त राज्य अमेरिका में 2024 में सबसे अधिक, यानी 1.9 मिलियन से ज्यादा कार दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 36 हजार से अधिक लोगों की मौत और 2.7 मिलियन से अधिक लोग घायल हुए। प्रति मिलियन आबादी पर औसतन 5,938 दुर्घटनाएं हुईं। अमेरिका में जागरूकता अभियान चलने के बावजूद दुर्घटनाओं का ग्राफ नीचे नहीं आ पा रहा और कार दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या बनी हुई हैं। विश्व के शीर्ष पांच देशों में जहां सड़क हादसे सबसे अधिक होते हैं, उनमें भारत, चीन, अमेरिका, ब्राजील और रूस शामिल हैं। खराब सड़क डिजाइन, तेज़ गति, बढ़ती आबादी और यातायात नियमों की अनदेखी इन देशों में मौतों की बड़ी वजह बन रही है।

भारत की स्थिति वैश्विक परिदृश्य में सबसे अधिक चिंताजनक है। विश्व की केवल 1 प्रतिशत कारें भारत में हैं, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली कुल मौतों का लगभग 11 प्रतिशत हिस्सा यहीं दर्ज होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सड़क हादसों से होने वाली मौतों के मामले में भारत पहले स्थान पर है। हर वर्ष करीब साढ़े चार लाख दुर्घटनाएं होती हैं और औसतन हर तीन से चार मिनट में एक व्यक्ति सड़क पर दम तोड़ देता है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हर बार किसी घर का उजड़ जाना, किसी परिवार का सहारा छिन जाना है। सबसे दुखद तथ्य यह है कि सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाने वालों में सबसे बड़ी संख्या 18 से 35 वर्ष के युवाओं की है। यही वह वर्ग है जिसे देश की सबसे सक्रिय, ऊर्जावान और उत्पादक आबादी माना जाता है। सड़क हादसे न केवल परिवारों को तोड़ते हैं, बल्कि देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति पर भी गहरा असर डालते हैं। एक युवा की मौत का मतलब केवल एक जान का जाना नहीं, बल्कि वर्षों की संभावनाओं का समाप्त हो जाना है।

सरकारी आंकड़े इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। वर्ष 2023 में देश में लगभग 4.8 लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 1.72 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई। 2024 में यह आंकड़ा और बढ़कर 1.77 लाख मौतों तक पहुंच गया, यानी हर दिन औसतन 485 लोगों की जान गई। राष्ट्रीय राजमार्ग, जो देश के कुल सड़क नेटवर्क का मात्र 2 प्रतिशत हैं, उन पर 31 प्रतिशत मौतें दर्ज की गईं। ताज़ा आंकड़े 2024 में राष्ट्रीय राजमार्गों पर 52,609 (लगभग 317 हिस्सा) लोग मारे गए। 2025 के पहले 6 महीनों में 26,770 से अधिक मौतें दर्ज की गई हैं। यह तथ्य बताता है कि बेहतर और चौड़ी सड़कें जहां सुविधा देती हैं, वहीं तेज़ रफ्तार को भी बढ़ावा देती हैं। आंकड़ों पर नजर डाले तो 587 से अधिक मौतें ओवर स्पीड के कारण होती हैं।

राज्यवार स्थिति पर नजर डालें तो उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक सड़क दु र्घटनाओं में मौतों के लिहाज से लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं। हादसों की संख्या के मामले में तमिलनाडु सबसे आगे है, लेकिन बीते साल में मौतों की संख्या उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक दर्ज की गई। सड़क हादसों में हुई मौतों के मामलों में यूपी दुनिया के कई देशों को पीछे छोड़ता है। इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी एजुकेशन (खत्ढए) की रिपोर्ट के अनुसार, यूपी में हर साल करीब 24 हजार लोग अपनी जान गंवाते हैं। प्रतिदिन हुई मौतों के लिहाज से देखें तो यह संख्या 65 के आसपास आती है। तमिलनाडु में हादसों की संख्या करीब 14 फीसदी के करीब, मध्यप्रदेश में 11.8 फीसदी, केरल में 9.5 फीसदी और उत्तर प्रदेश में 9 फीसदी है। जबकि मौत के मामले में उत्तरप्रदेश 14 फीसदी है। उसके बाद में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और कर्नाटक आते हैं।

राजस्थान की तस्वीर भी कम भयावह नहीं है। कुल सड़क नेटवर्क में राज्य की हिस्सेदारी भले ही 3.4 प्रतिशत हो, लेकिन घातक दुर्घटनाओं में इसका अनुपात कहीं अधिक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान सड़क दुर्घटनाओं के मामले में देश में सातवें और मौतों के मामले में छठे पायदान पर है। प्रदेश में हर साल सड़क दुर्घटनाओं में दस हजार से अधिक लोग अपनी जान गवां देते हैं। 2023 के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में प्रतिदिन 30 से अधिक मौतें सड़क हादसों में हो रही हैं। हर साल राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों पर सात हजार से अधिक दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें चार हजार से ज्यादा लोगों की जान गई। विशेषज्ञों के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में मौतों की बड़ी वजह तेज़ गति है। बेहतर मखमल जैसी सड़कें और लंबे, सीधे हाईवे वाहन चालकों को तेज रफ्तार से वाहन चलाने के लिए प्रेरित करते हैं। पश्चिमी राजस्थान में सैकड़ों किलोमीटर तक बिना मोड़ वाली सड़कें हैं, जहां थकान या झपकी जानलेवा साबित हो रही है। इसके अलावा आवारा मवेशी, गलत ओवरटेकिंग, लेन ड्राइविंग का पालन न करना, सीट बेल्ट नहीं लगाना और नशे में वाहन चलाना दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं।

दौसा जिला इस संकट का जीता-जागता उदाहरण बन गया है। वर्ष 2024 में यहां 713 दुर्घटनाएं हुईं, जबकि 2025 में यह संख्या बढ़कर 737 पहुंच गई। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि बेहतर सड़कों के बावजूद मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, जो बताता है कि समस्या केवल इंफ्रास्ट्रक्चर की नहीं, बल्कि व्यवहार की भी है। सरकार हर साल सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मना कर लोगों को जागरूक करती है। इसके बावजूद सड़क दुर्घटनाएं घटने के बजाय बढ़ती जा रही है। सरकार नए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने बढ़ाए हैं, हेलमेट और सीट बेल्ट को अनिवार्य किया है और ऑटोमैटिक चालान प्रणाली लागू की है। बावजूद इसके, नशे में ड्राइविंग के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वर्ष 2024 में राजस्थान में 40 हजार से अधिक चालक शराब के नशे में पकड़े गए, जबकि 2025 में यह संख्या और बढ़ गई। अकेले जयपुर-बांदीकुई एक्सप्रेसवे पर वर्ष 2024 में करीब 5 हजार ओवरस्पीड के चालान काटे गए थे, वहीं 2025 में यह संख्या बढ़कर करीब 40 हजार हो गई। यानी ओवरस्पीडिंग पर कार्रवाई में लगभग 9 गुना इजाफा हुआ है। इसके साथ ही राज्य में 900 से अधिक ब्लैक स्पॉट चिह्नित किए गए हैं, जहां हादसों का खतरा हमेशा बना रहता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क सुरक्षा को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि निरंतर मिशन के रूप में लेना होगा। स्पीड लिमिट का सख्त पालन, ब्लैक स्पॉट्स पर इंजीनियरिंग सुधार, पर्याप्त रोशनी, बेहतर साइन बोर्ड, हाईवे पेट्रोलिंग और दुर्घटना के बाद त्वरित चिकित्सा सहायता से हजारों जानें बचाई जा सकती हैं। साथ ही, जनता को भी यह समझना होगा कि सड़क केवल चलने की जगह नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का साझा मंच है। हाई-वे और एक्सप्रेसवे विकास के प्रतीक हैं, लेकिन यदि रफ्तार पर लगाम नहीं लगी, तो यही सड़कें मौत की राह बन जाएंगी। जरूरत है संतुलन की-रफ्तार भी हो, लेकिन सुरक्षा के साथ। तभी विकास का यह सफर सच मायनों में सुरक्षित कहा जा सकेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रदर्शन

लखनऊ में मंगलवार को स्टूडेंट्स ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों के खिलाफ मंगलवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी के पास प्रदर्शन किया।

लगातार नौवां बजट पेश कर इतिहास रचेंगी निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को लगातार नौवां बजट पेश कर एक नया रिकॉर्ड बनाएंगी। वैश्विक अनिश्चितता के बीच पेश होने वाले इस बजट में आर्थिक वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से सुधारवादी उपायों के होने की उम्मीद है।

इसके साथ ही सीतारमण पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई द्वारा विभिन्न समय अवधियों में पेश किए गए 10 बजटों के रिकॉर्ड के करीब पहुंच जाएंगी। देसाई ने 1959-1964 के दौरान वित्त मंत्री के रूप में कुल छह बजट और 1967-1969 के बीच चार बजट पेश किए थे।

पूर्व वित्त मंत्रियों पी चिदंबरम और प्रणब मुखर्जी ने अलग-अलग प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में क्रमशः नौ और आठ बजट पेश किए थे। हालांकि, लगातार सबसे अधिक बजट पेश करने का रिकॉर्ड सीतारमण के नाम ही रहेगा। इस साल वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार नौ बजट पेश करने का रिकॉर्ड बनाएंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 में दूसरी बार सत्ता में आने पर सीतारमण को भारत की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री बनाया था। इसके बाद 2024 में तीसरी बार मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद वित्त मंत्रालय उनके पास ही रहा।

अब तक सीतारमण ने फरवरी 2024 के अंतरिम बजट सहित कुल आठ लगातार बजट पेश किए हैं। स्वतंत्र भारत में बजट पेश करने से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण तथ्य इस तरह हैं:

पहला बजट: स्वतंत्र भारत का पहला आम बजट 26 नवंबर, 1947 को देश के पहले वित्त मंत्री आर के शनमुखम चेट्टी ने पेश किया था। सर्वाधिक बजट: पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के नाम सबसे अधिक बजट पेश करने का रिकॉर्ड है। उन्होंने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बाद में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कार्यकाल में वित्त मंत्री के रूप में कुल 10 बजट पेश किए।

दूसरा सबसे अधिक बजट: पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने नौ बार बजट पेश किए। उन्होंने पहली बार 19 मार्च, 1996 को प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के नेतृत्व वाली संयुक्त मोर्चा सरकार के दौरान बजट पेश किया था। उन्होंने कांग्रेस की अगुवाई वाली संप्रग सरकार में भी कई बजट पेश किए। तीसरा सबसे अधिक बजट: प्रणब मुखर्जी ने वित्त मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान आठ बजट पेश किए। मनमोहन सिंह: पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 1991 से 1995 के बीच पी वी नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए लगातार पांच बजट पेश किए थे। सबसे लंबा बजट भाषण: सबसे लंबे बजट भाषण का रिकॉर्ड सीतारमण के नाम है। उनका एक फरवरी, 2020 का बजट भाषण दो घंटे और 40 मिनट तक चला था। उस समय, उन्होंने दो पेज बाकी रहते हुए ही अपना भाषण समाप्त कर दिया था।

पूजा

कोलकाता में मंगलवार को समाजवादी पार्टी के प्रेसिडेंट अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिंपल यादव के साथ पश्चिम बंगाल में 'कालीघाट मंदिर' में पूजा करते हुए।

भारत-इटली संबंध तेजी से अग्रसर हो रहे : इटली के राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। इतालवी राष्ट्रपति सर्जियो मैटारेला ने कहा है कि भारत और इटली के संबंध तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा ये पारस्परिक लाभ के लिए और अधिक गहरे होंगे। उन्होंने कहा कि दोनों देश ''लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान'' जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं।भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने शुभकामना संदेश में, मैटारेला ने आशा व्यक्त की कि द्विपक्षीय एजेंडा के हर क्षेत्र में, साथ ही भारत-यूरोपीय संघ संबंधों के ढांचे के भीतर, ''हमारे देशों के बीच तालमेल'' मजबूत हो सकता है, जिसे नए आर्थिक और व्यापारिक समझौतों से ''काफी लाभ'' होगा।

छब्बीस जनवरी की तारीख वाले शुभकामना संदेश का अंग्रेजी अनुवाद इतालवी दूतावास ने मंगलवार को साझा किया।मैटारेला ने कहा, गणतंत्र दिवस के अवसर पर, मैं आपको, राष्ट्रपति महोदया, भारत गणराज्य के समृद्ध भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं।संदेश में कहा गया है कि संयुक्त रणनीतिक कार्ययोजना के कार्यान्वयन की बदौलत द्विपक्षीय साझेदारी, सहयोग के नए अवसरों से ''हर दिन समृद्ध हो रही है'', चाहे वह ''हमारे संबंधित आर्थिक संचालकों के बीच संयुक्त परियोजनाओं, वैज्ञानिक सहयोग, या हमारे नागरिक समाजों के बीच तेजी से गहन और फलदायी संपर्कों'' के माध्यम से हो।

मैटारेला ने यह भी कहा कि दिल्ली और रोम ''लोकतंत्र एवं कानून के शासन के प्रति सम्मान'' जैसे मूलभूत मूल्यों को साझा करते हैं। उन्होंने कहा, ''वे कई परस्पर संबंधित हितों का भी अनुसरण करते हैं, जिनकी शुरुआत नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की सुरक्षा, हिंद-भूमध्य सागर क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता की शांतिपूर्ण प्राप्ति तथा प्रमुख वैश्विक चुनौतियों के प्रभावी बहुपक्षीय प्रबंधन से होती है।''

विश्व भर में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय नरसंहार स्मरण दिवस

वारसॉ/एपी। बर्लिन में मंगलवार को भोर में नरसंहार स्मारक पर मोमबत्तियां जलाई गईं और यूरोप तथा इससे बाहर लोगों की गतिविधि अंतरराष्ट्रीय नरसंहार स्मरण दिवस मनाने के लिए थम सी गई। यह दिन नाज़ी जर्मनी द्वारा लाखों लोगों की हत्या और महाद्वीप से यहूदियों को पूरी तरह खत्म करने के लिए किए गए कृत्यों की याद दिलाता है।

अंतरराष्ट्रीय नरसंहार स्मरण दिवस 27 जनवरी को विश्व भर में मनाया जाता है, जो नाजी जर्मनी के सबसे कुख्यात मृत्यु शिविरों में से एक 'ऑशविट्ज़-बिरकेनाउ' को सोवियत सेनाओं द्वारा मुक्त कराए जाने का दिन है।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मन कब्जे वाले क्षेत्र में शामिल रहे ऑशविट्ज़ में स्थित स्मारक स्थल पर पूर्व कैदियों ने 'मृत्यु दीवार' पर पुष्पांजलि अर्पित की, जहां जर्मन सेना ने हजारों लोगों की हत्या की थी, जिनमें से अधिकतर पोलैंड के नागरिक थे।

दिन में बाद में, पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी पास के विशाल स्थल बिरकेनौ में उस त्रासदी को देखने वाले जीवित बचे लोगों के साथ एक स्मरण समारोह में शामिल होंगे। इस स्थल पर यूरोप भर से यहूदियों को गैस चैंबरों में मार डालने के लिए लाया गया था।

नाज़ी जर्मन सेना ने ऑशविट्ज़ में लगभग 11 लाख लोगों की हत्या की थी, जिनमें से अधिकतर यहूदी थे, लेकिन पोलिश, रोमा और अन्य लोग भी शामिल थे।

रेड आर्मी द्वारा 27 जनवरी, 1945 को ऑशविट्ज़ को मुक्त कराए जाने की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मंगलवार को पूरे यूरोप में और साथ ही संयुक्त राष्ट्र में भी समारोह आयोजित किए जा रहे हैं।

अपने पड़ोसियों पर युद्ध और नरसंहार थोपने वाला राष्ट्र जर्मनी बुधवार को संसद भवन (बुंडेस्टैग) में एक स्मरण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

इजराइल अप्रैल 1943 में हुए वारसॉ यहूदी बस्ती विद्रोह की वर्षगांठ पर नरसंहार स्मरण दिवस मनाता है, जो नाजी आतंक के खिलाफ यहूदी प्रतिरोध पर जोर देता है।

सोशल मीडिया ने बदली मिथिला पालकर की जिंदगी

मुंबई/एजेन्सी

'लिटिल थिंग्स', 'कारवां', 'चॉपस्टिक्स' और अन्य फिल्मों के लिए मशहूर अभिनेत्री-गायिका मिथिला पालकर आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'हैप्पी पटेल' से सुर्खियां बटोर रही हैं। मिथिला फिल्मों से लेकर ओटीटी तक पर अपने अभिनय की कला को दिखा चुकी हैं। अब उन्होंने आईएएनएस के साथ अपनी फिल्मी जर्नी शेयर की है और बताया है कि उन्होंने कभी भी एक्टिंग करियर के लिए किसी तरह की प्लानिंग नहीं की, बल्कि सब कुछ अपने आप होता चला गया। अभिनेत्री मिथिला ने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि अपने पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने के लिए मैंने परिस्थितियों के अनुसार ही काम किया। एक एक्ट्रेस बनने के लिए मैंने इसे दोनों हाथों से अपनाया। मुझे क्या पता था कि इंटरनेट क्या कर देगा? 10 साल पहले, हम सभी इंटरनेट पर बस शुरुआत कर रहे थे। उस समय टीवी, थिएटर और फिल्में ही मुख्य थीं। रेडियो का भी अपना एक अलग ही प्रभाव था। इसलिए, हमें नहीं पता था कि इंटरनेट इस

तरह से अपना प्रभाव डाल सकता है। इसलिए, मैं भी सोशल मीडिया पर एक्सपेरिमेंट कर रही थी। मैं हर उस चीज के साथ प्रयोग करने को तैयार थी जो मुझे एक कलाकार बनने में मदद करे।

उन्होंने कहा, मैंने हर चीज के लिए ऑडिशन दिया। मेरी जिंदगी जिस तरह से आगे बढ़ी है, मुझे नहीं लगता कि मैं इससे बेहतर योजना बना सकती थी। इसलिए मुझे खुशी है कि मैंने इसकी योजना नहीं बनाई, क्योंकि मैंने खुद को जिंदगी के फ्लो के साथ चलने की आजादी दी। मुझे फिल्टर कॉपी मिली, जिसने मुझे 'न्यूज दर्शन' दिया, जो एक नया व्यंग्य कॉमेडी शो था, जिसके बाद ध्रुव और मैंने दो कॉमेडी स्केच किए। उसके बाद, 'लिटिल थिंग्स' हुआ, 'गर्ल इन द सिटी' हुआ। तो, सब कुछ एक के बाद एक होता चला गया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अगर मैंने इसकी योजना बनाई होती, तो मैं इसे इतनी अच्छी तरह से बना पाती।करियर की शुरुआत में मिथिला को कई लोगों से सहयोग मिला और वे खुद को लकी मानती हैं कि उनकी जर्नी में उन्हें अच्छे लोगों का साथ मिला। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं यह जरूर कहना चाहूंगी कि मैं भाग्यशाली थी कि सही समय पर सही लोगों से मिली। जिन लोगों से मैंने 8 साल पहले बात की थी, उसके बाद हमारी मुलाकात नहीं हुई। लेकिन 8 साल पहले, वे लोग मेरे जीवन में बहुत मायने रखते थे, मेरी यात्रा में उनका बहुत बड़ा योगदान था। और मैं उन लोगों को कभी नहीं भूलूंगी।

जुलूस

प्रयागराज में मंगलवार को आर्मी के जवानों के परिवार के सदस्य प्रयागराज के संगम पर 'गंगा पूजा' जुलूस में हिस्सा लेते हुए।

कोलकाता में मंगलवार को कंप्यूटर टीचर्स प्रोटेस्ट रैली निकाली।

'मैं हर पल को जी रही हूं' : शहनाज गिल

मुंबई/एजेन्सी

पंजाब की 'कटरीना' के नाम से मशहूर अभिनेत्री शहनाज गिल मंगलवार को अपना जन्मदिन मना रही हैं। अभिनेत्री ने अपना जन्मदिन परिवार और करीबी दोस्तों के साथ धूमधाम से सेलिब्रेट किया। इस सेलिब्रेशन का वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें शहनाज को केक काटते हुए और सबके साथ हंसते-खेलते दिखाया गया। वीडियो के आखिर में शहनाज सभी के साथ डांस करती दिख रही हैं। साथ ही शहनाज ने भांगड़ा भी किया। वीडियो में सभी के साथ शहनाज बेहद खुश और एनर्जेटिक नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा, आज 27 तारीख है और मैं अपने हर पल को पूरी तरह जी रही हूं। जन्मदिन मुबारक हो मुझे।अभिनेत्री का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ गया। वे

शहनाज के डांस की जमकर तारीफ कर रहे हैं और जन्मदिन की बधाई भी दे रहे हैं।पंजाब के जालंधर की रहने वाली शहनाज गिल ने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर, उन्होंने 'माझे दी जट्टी' और 'पिंड दियां कुड़ियां' जैसे कई गाने किए, लेकिन लोगों की नजर अभिनेत्री पर गैरी संधू की 'बेबी' से पड़ी थी। इसके बाद शहनाज ने पंजाबी फिल्म 'सत श्री अकाल' और 'काला-शा-काला' में काम किया।

अभिनेत्री साल 2019 में 'बिग बॉस 13' में नजर आई थीं। यहां शहनाज ने अपने चुलबुले अंदाज से प्रसिद्धि हासिल की थी। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं थीं। बिग बॉस के बाद उन्होंने बॉलीवुड के कई गानों में काम किया।

द 50 : प्रिंस नरूला के बाद अब युविका चौधरी को मिला 'लायन का टिकट'

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी शो 'द 50' जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। यह शो इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें 50 सेलेब्स नजर आएंगे। कुछ के नामों की घोषणा हो गई है, तो कुछ का अभी पता लगना बाकी है। शो में कई बड़े नाम कंफर्म हो चुके हैं, जिनमें करण पटेल, दिव्या अग्रवाल, प्रिंस नरुला, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और उर्वशी ढोलकिया, चाहत पांडे और नीलम गिरी समेत कई कंटेस्टेंट के नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में अब अभिनेत्री युविका चौधरी का नाम जुड़ गया है। युविका, जो अभिनेता प्रिंस नरुला की पत्नी हैं, उन्होंने खुद शुक्रवार को इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी दी कि उन्हें भी लायन का टिकट मिल गया है।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे काफी उत्साहित नजर आ रही हैं। वीडियो में युविका कहती हैं, इसी का तो मुझे बेसब्री से इंतजार था। 7 साल हो गए मुझे एक रियलिटी शो किए। मैं इंतजार कर रही थी एक ऐसे बेहतर शो का जो मेरी काबिलियत से मैच करे, जो मुझे

हर पल चैलेंज करे। अब आखिरकार वो मौका मिल गया।

मैं आ रही हूं आप सबको चैलेंज करने और ये दिखाने के लिए कि युविका चौधरी किसी से कम नहीं है।अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, एक नई शुरुआत। द 50 के लिए बहुत उत्साहित हूं। खबर सुनने के बाद प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। शो में प्रिंस नरुला भी नजर आएंगे, और युविका के जाने से शो में पावर कपल का जलवा एक बार फिर देखने को मिलेगा। दोनों साथ में शो में एंट्री कर रहे हैं।यह शो 1 फरवरी से जियो हॉटस्टार और कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा। यह शो दर्शकों और कंटेस्टेंट को एक नया और अलग अनुभव देने वाला है। अब देखना होगा कि यह शो दर्शकों को कैसा लगेगा।

श्रुति हासन : टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

नई दिल्ली/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। 1986 में जन्मीं श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाई।एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म 'अनागनगा ओ धीरुडु' (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। 'रेस गुर्रम' (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने 'डी-डे', 'रामैया वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक', 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया।

जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन 'उन्नैपोल ओरुवन' से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई। श्रुति हासन का सफर इस बात का प्रमाण है कि पहचान नाम से नहीं, काम से बनती है और सुर, स्क्रीन और संवेदनाओं का यह संगम अभी और भी लंबा चलना है।

गणतंत्र दिवस

चेन्नई के अन्नानगर स्थित जयगोपाल गारोदिया विवेकानंद विद्यालय में 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवीनिवृत्त कर्नल ए. श्रीनिवासन रहे, उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। एन. सोवानथन विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना गीत से हुई, जिसके बाद एनसीसी, आरएसपी, स्काउट्स और गाइड्स द्वारा मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया।

सनातन धर्म विद्यालय के प्रांगण में 77 वाँ गणतंत्र दिवस, विद्यालय प्राचार्या एस लता, मुख्य अतिथि विद्यालय की पूर्व छात्रा सी ए संजना आर, विद्यालय कोषाध्यक्ष और खेल समन्वयक सुनील डागा, विद्यालय पाठ्येतर गतिविधि समन्वयक गिरी बागडी, सुश्री श्रवन्ति, अध्यापिकाओं, अभिभावकों और विद्यालय की छात्राओं ने बड़े हर्षोल्लास के साथ गणतंत्र दिवस मनाया ध्वजारोहण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

कोयम्बटूर के आरएसपुरम् स्थित राजस्थानी संघ में गणतंत्र दिवस के मौक पर शहीद मेजर संदीप उन्नीकृष्णन को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए गणतंत्र दिवस मनाया गया। संघ के पदाधिकारियों ने ध्वजारोहण किया।

चेन्नई के नम्मलवार स्ट्रीट में स्थित एसएस जैन महिला विद्याल संघ द्वारा संचालित मांगी कंवर अनराज चोरडिया जैन नर्सरी एवं प्राइमरी स्कूल ने अपने प्रांगण में गणतंत्र दिवस मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता व रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई आईकॉनस के अध्यक्ष नवीन जैन उपस्थित थे। राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया।

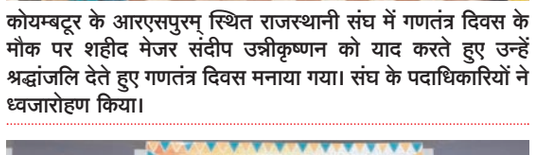

चेन्नई के ईवीके संपत रोड वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में 77 वां गणतंत्र दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सीसीबी के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त एस.चार्ल्स सैम राजादुरई ने झंड़ा फहराया तथा छात्रों के परेड की सलामी ली। विद्यालय की प्रधानाचार्या सी.विजयलक्ष्मी एवं संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल ने पुष्पगुच्छ, शॉल तथा स्मृति चिन्ह् भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए।

चेन्नई में मिंट स्ट्रीट स्थित श्री माहेश्वरी सभा द्वारा माहेश्वरी भवन के प्रांगण में भारत का 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह, देशभक्ति और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष गौरीशंकर राठी के नेतृत्व में कार्यकारिणी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

चेन्नई। यहां जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज मादावरम में 77वाँ गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया। मुख्य अतिथि डॉ बी डेनिएल – सेंट्रल क्राइम ब्रांच वेपेरी चेन्नई के अनुसंधान अधिकारी ने ध्वजारोहण किया। संयुक्त सचिव हरीश कुमार लोहिया, कोषाध्यक्ष बालगोविंद गुप्ता, अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल ने अपनी शुभकामनायें प्रेषित की। प्राचार्य डॉ वी गोपी ने सभा का स्वागत किया। उप प्राचार्या डॉ उमा महेशवरी ने छात्रों को प्रोत्साहित किया।

चेन्नई में जॉर्ज टाउन स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम की शाखा–7 में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस शाखा के मुख्य प्रबन्धक दिनेश कुमार ने झंडारोहण किया। इस अवसर पर शाखा 13 के मुख्य प्रबन्धक मुन्नुस्वामी, शाखा 3 के प्रबंधक रगोत्तम, चैयरमैन अभिकर्ता सदस्य मुरली रामसेठी, आर नरेन्द्र कांकरिया, कुमार पेरुमाल स्वामी, मुरली सहित अनेक अभिकर्ता उपस्थित थे।

चेन्नई के द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज (स्वायत्त) में अत्यंत गर्व और देशभक्ति की भावना के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन 5 कंपनी एनसीसी इन्फैंट्री, 1 (तमिलनाडु) बटालियन एनसीसी द्वारा किया गया, जिसमें सचिव डॉ. अशोक कुमार मूँधड़ा, अशोक कुमार केड़िया,प्रबंधन समिति, प्राचार्य, महाविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्रों का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। यह समारोह देश के समृद्ध लोकतांत्रिक मूल्यों को दर्शाने के साथ–साथ स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदानों को सम्मानपूर्वक स्मरण करने का अवसर बना, जिन्होंने एक समावेशी और एकजुट भारत के निर्माण में योगदान दिया।

स्वास्थ्य जांच शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में गणतंत्र दिवस के मौके पर सिंवाची मद्रास जैन संघ द्वारा सिवांची भवन में झंडारोहण समारोह एवं मास्टर हेल्थ बॉडी चेक–अप शिविर का सफल आयोजन किया गया। अध्यक्ष चंदनमल श्रीश्रीमाल एवं सचिव नेमीचंद देशरला एवं कार्यकारिणी समिति के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक जयंतिलाल खिवसरा, राजू सकलेचा, गौतम बाफना, संजय बाफना एवं यशवंत चोपड़ा रहे। सीवांची जैन युवा मंडल की युवा टीम का विशेष सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर में कुल 148 व्यक्तियों ने लाभ प्राप्त किया।

सुभाषचंद रांका एवं रिखबचंद बोहरा ब्यावर रत्न अवार्ड से सम्मानित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय ब्यावर एसोसिएशन ट्रस्ट द्वारा 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर चेतपेट स्थित लेडी अंडाल कॉन्सर्ट हॉल में एक कार्यक्रम में समाजसेवी सुभाषचंद रांका एवं रिखबचंद बोहरा को उनके समाजोपयोगी कार्यों को रेखांकित करते हुए 'ब्यावर रत्न अवार्ड' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ब्यावर एसोसिएशन ट्रस्ट के अंतर्गत मेडिकल रिलीफ फंड सहायता हेतु बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट का भव्य उद्घाटन ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष अजीत गोठी ने इस अवसर पर कहा कि हालांकि यह कार्य ब्यावर एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष के शताब्दी वर्ष पर उनके जन्म दिवस पर शुरू कर दिया गया था परंतु उसका भव्य रूप से शुभारंभ आज किया गया।

ट्रस्ट के मेडिकल चेयरमैन अजय नाहर ने मेडिकल ट्रस्ट की परिकल्पना पर अपने विचार साझा करते हुए बताया कि ट्रस्ट चेन्नई से लेकर चेंगलपेट तक में बसे अपने स्वजनों के चिकित्सकीय जरूरतों में हर संभव मदद के लिए हाथ बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित है चिकित्सकीय सहायता सुगम और शीघ्र पहुंचे इसके लिए पेमेंट ऑनलाइन मोड में निस्तारित करने का प्रबन्ध किया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष पच्चीस लाख से अधिक की धनराशि छात्रवृत्ति के रूप में कमजोर तबके के विद्यार्थियों में बाटी जा रही है और अब ट्रस्ट चिकित्सकीय सहायता हेतु आगे आ रहा है। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने दानदाताओं के सिल्वर, गोल्डन एवं डायमंड वर्गों के दानदाताओं का शॉल एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर ट्रस्ट द्वारा देशभक्ति के जज्बे से ओत–प्रोत मनोरंजन कार्यक्रम मेरा भारत महान का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली से पधारे डांस स्मिथ के कलाकारों ने अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। कार्यक्रम मे

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रमेश मुथा एवं एम के जैन ने ब्यावर एसोसिएशन ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए इसके उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। कार्यक्रम के प्रायोजक विशेष रूप से जयपुर से आई शकुंतला गोलेछा, पूर्व अध्यक्ष पुखराज गोलेछा फूलचंद नाहर, प्रेम बोकड़ियां, शांतिलाल जैन, सी आर जैन, राज कुमार कोठारी सहित ट्रस्ट के सुमित भिड़किचा, आकाश जैन, रवि सोगानी, अभय लोढा, महावीर पारख, राकेश लालवानी, महेंद्र कुंकुलोल, ललित रांका,सौरभ संचेती, अरूण राठौर, कमलेश कोठारी, अमित जैन ,प्रशांत, पवनेश, श्रीलोकेश आदि अनेक लोग उपस्थित रहे। यह जानकारी ब्यावर एसोसिएशन के मेडिकल चेयरमैन अजय नाहर ने दी है।

चेन्नई वॉलीबॉल (डोटा) फेडरेशन के सातवें टूर्नामेंट में वीओजी वॉलीबॉल क्लब बनी विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चेन्नई वॉलीबॉल (डोटा) फेडरेशन का सातवां टूर्नामेंट वासुदेव स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में वासुदेव जी मंदिर खेल परिसर में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री मंत्र से की गई। इस अवसर पर वासुदेव स्पोर्ट्स क्लब के स्तंभ स्व. मेवासिंह पुनिया को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्य अतिथि सुरेंद्र पुनिया एवं राहुल कसवा का माला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। फेडरेशन समिति के माणक चौधरी, राजेश सुराणा, अभिनंदन बोथरा, राणाराम पटेल, कानाराम चौधरी एवं तरुण बोथरा ने आयोजक क्लब के सदस्यों को मोमेंटो प्रदान किए। आयोजक अर्जुन देवासी ने बताया कि टूर्नामेंट में कुल18 टीमों ने भाग लिया, जिन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया। दोनों समूहों से चार–चार टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सेमीफाइनल मुकाबलों में वीओजी वॉलीबॉल क्लब एवं माताजी स्पोर्ट्स ने जीत दर्ज कर फाइनल में स्थान बनाया। फाइनल मुकाबले में वीओजी वॉलीबॉल क्लब ने माताजी स्पोर्ट्स क्लब को पराजित कर चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम की। माताजी स्पोर्ट्स उपविजेता रही, जबकि राजेश्वर स्पोर्ट्स क्लब ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि मोहन ने खिलाड़ियों की सराहना करते हुए खेल को बढ़ावा देने पर जोर दिया। विशेष पुरस्कारों में नमन जैन को बेस्ट नेटर, ललित सुराणा को मैन ऑफ द मैच, कानाराम चौधरी को बेस्ट अटैकर, मादुराम चौधरी को बेस्ट सेंटर तथा राहुल जैन को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया।

रजत द्वारा सेवा कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु (रजत) के सेवा प्रकल्प अनुकंपा के अंतर्गत गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अनुकंपा का 50वाँ सेवा कार्यक्रम अत्यंत गरिमामय एवं भावनात्मक वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम चेन्नई स्थित श्री महावीर भवन, दादावाड़ी जैन मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल आर. शिवनाथन (भारतीय सेना के पूर्व अधिकारी) तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. पी. ए. पद्मनाभन, अध्यक्ष–वित्त एवं समूह मुख्य वित्त अधिकारी, राने ग्रुप उपस्थित रहे।

दोनों अतिथियों ने अनुकंपा द्वारा किए जा रहे सतत सेवा कार्यों की सराहना करते हुए इसे मानवता की सच्ची सेवा बताया।

कार्यक्रम के दौरान 275 से अधिक बच्चों एवं 50 वरिष्ठ नागरिकों को उपयोगी किट वितरित की गई। इन किटों में बैग, पानी की बोतलें, कंबल, तकिया, नोटबुक, पेन, डेंटल किट, कॉफी मग एवं चॉकलेट बॉक्स सम्मिलित थे। साथ ही, विभिन्न सेवा संस्थानों को ट्यूबलाइट्स, पेडेस्टल फैन, बैठने की बेंचें तथा वॉटर डिस्पेंसर जैसी आवश्यक सुविधाएँ भी प्रदान की गईं। आज के इस सेवा प्रकल्प का कुल मूल्य लगभग 10 लाख रहा, जो अनुकंपा की व्यापकता और प्रभाव को दर्शाता है। यह सेवा कार्यक्रम राजस्थानी एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल द्वारा अपनी पूज्य माता स्वर्गीय श्रीमती कमला देवी की स्मृति में प्रायोजित किया गया। उनके साथ इस पुण्य कार्य में सुभाषचंद सा. रांका एवं एफ. अजीत कुमार चोरड़िया ने भी सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के अंत में रजत के सचिव दिनेश कोठारी ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सूर्य सप्तमी महोत्सव का भव्य आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शाकद्विपीय ब्राह्मण समाज द्वारा साहुकारपेट के सूर्य भवन में नंदनम सूर्य नारायण मंदिर में 51वां सूर्य सप्तमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मीडिया प्रभारी दीपेश देवेरा ने बताया कि वसंतपंचमी के दिन भगवान सूर्य नारायण की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा दिवस के छठवे वर्ष पर के उपलक्ष्य में भगवान की पूजा, हवन एवं पंचधातु की मूर्ति का अभिषेक किया गया। मंदिर पर ध्वजा चढाई गई तत्पश्चात आरती, तत्पश्चात अन्न प्रसादम और सूर्य भजन मंडल द्वारा भगवान के निमित भजन प्रस्तुत किये गए।

25 जनवरी को सूर्य सप्तमी के अवसर पर नंदनम सूर्य नारायण मंदिर में विद्वान पंडितों के मंत्र उच्चारण के साथ भगवान सूर्य नारायण की पूजा, हवन एवं सूर्य देव की मूर्ति का अभिषेक किया गया। शाकद्वीपीय समाज के उन सभी मेधावी विद्यार्थियों जिन्होंने पिछले वर्ष– मार्च 2025 में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं और जिन छात्रों ने पिछले वर्ष 2025 की व्यावसायिक पाठ्यक्रम में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

सूर्य सप्तमी के सभी लाभार्थियो का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर चेन्नई शाकद्विपीय ब्राह्मण समाज के चेयरपर्सन एवं शाकद्वपीय ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर कुवेरा एवं सह चेयरपर्सन सत्यनारायण भरताणी की गौरवान्वित उपस्थिति रही। चेन्नई शाकद्विपीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष अशोक मथुरिया, सचिव चैनराज भरताणी के साथ सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.